



Technical Education & Social Welfare Society

(Run Under CG Society Act.Reg.No.122201950672)

Computer Fundamental Hindi Note

Head Office: VIP Road Fundhar Raipur CG

कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ

प्रथम पीढ़ी (1940-1956)

कम्प्यूटर की प्रथम पीढ़ी की शुरुआत 1940 से मानी जाती है। इस जनरेशन Vacuum Tube Technology में का प्रयोग किया गया था। इसमें मशीन भाषा का प्रयोग किया गया था। इसमें मेमोरी की तौर पर चुम्बकीय टेप एवं पचकार्ड का प्रयोग किया जाता था। इस पीढ़ी के कुछ कम्प्यूटरों के नाम इस प्रकार हैं-

एनियक (ENIAC), एडसैक (EDSAC), एडवैक (EDVAC), यूनीवैक - 2 (UNIVAC-2), आईबीएम-701, आईबीएम-650, मार्क-2, मार्क-3, बरोज - 2202 (ENIAC)

द्वितीय पीढ़ी (1956-1963)

द्वितीय पीढ़ी की शुरुआत 1956 से 1963 तक मानी जाती है। इस पीढ़ी में Transistor का प्रयोग किया गया है। जिसका विकास Willon Shockly ने 1947 में किया था। इसमें असेम्बली भाषा का प्रयोग किया गया था। इसमें मेमोरी के तौर पर चुम्बकीय टेप का प्रयोग किया जाने लगा था। इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों में आईबीएम-1401 प्रमुख हैं, जो बहुत ही लोकप्रिय एवं बड़े पैमाने पर उत्पादित किया गया था।

इस पीढ़ी के अन्य कम्प्यूटर थे - IBM-1602, IBM-7094, CDS-3600, RCA-501, यूनिवैक - 1107 आदि

तीसरी पीढ़ी (1964-1971)

कम्प्यूटर की तीसरी पीढ़ी की शुरुआत 1964 से मानी जाती है। इस जनरेशन में आई सी का प्रयोग किया जाने लगा था। IC का पूरा नाम Intergrated Circuit है। IC का विकास 1958 में Jack Kibly ने किया था। इसमें IC Technology (SSI) का प्रयोग किया गया था। SSI पूरा नाम Small Scale Integration है। इसमें हाई लेवल भाषा का प्रयोग प्रोग्रामिंग के लिए किया जाता है। इसमें मेमोरी के तौर पर चुम्बकीय डिस्क का प्रयोग किया जाने लगा था। इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों की मदद से मल्टीप्रोग्रामिंग (Multi Programme), एवं मल्टी प्रोससिंग (Multi Processing) सम्भव हो गया। इस पीढ़ी के मुख्य कम्प्यूटर थे IBM-360, IBM-370 (Series), ICL-1900 एवं (Series), बरोज - 5700, 6700 तथा 7700 (Series), (CDC-3000-6000) तथा (Series) यूनिवैक - 9000 श्रृंखला, हनीवेल - 6000 तथा 200 PDP-11/45 आदि।

चौथी पीढ़ी (1971-1989)

कम्प्यूटर की चौथी पीढ़ी की शुरुआत 1971 से 1989 तक मानी जाती है। इस जनरेशन IC की यह तकनीकी VLSI थी इसका पूरा नाम Very Large-Scale Intergration हैं। इसमें हाई लेवल भाषा का प्रयोग प्रोग्रामिंग के लिए किया जाता है। इसमें केवल एक सिलिकॉन चिप पर कम्प्यूटर के सभी एकीकृत परिपथों को लगाया जाता है, जिस माइक्रोप्रोसेसर कहा जाता है। इस चिपों का प्रयोग करने वाले कम्प्यूटरों को माइक्रो कम्प्यूटर (Micro Computer) कहा जाता है।

पाँचवी पीढ़ी

कम्प्यूटर की पाँचवी पीढ़ी की शुरुआत 1989 से मानी जाती है। इस जनरेशन में आईसी की आधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया जाने लगा था। IC की यह तकनीकी ULSI थी इसका पूरा नाम Ultra Large Scale Integration है। इसमें हाई लेवल भाषा का प्रयोग प्रोग्रामिंग के लिए किया जाता है। जो अधिक सरल है। इस भाषाओं में GUI Interface का प्रयोग किया जाता है।

कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति तथा परिभाषा

कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के कम्प्यूटर शब्द से मानी जाती है जिसका अर्थ है गणना करना। कम्प्यूटर जिसे हिंदी में अभिकलित्र अथवा संगणक कहा जाता है, को सामान्यतया एक ऐसे यंत्र के रूप में जाना जाता है जो अत्यन्त तीव्र गति से गणनाएँ करने में समक्ष है। जो इसके अर्थ को और भी अधिक व्यापक बना देते हैं:-

C	-	Calulation	(गणना)	Common
O	-	Operative	(क्रियाशील)	Operative
M	-	Mechanics	(यान्त्रिकी)	Machine
P	-	Processing	(प्रक्रिया)	Particularly
U	-	Useful	(उपयोगी)	Used for
T	-	Thesaurus	(शब्दकोष)	Trade Research
E	-	Extensive	(विस्तृत)	Extanded

अतः कम्प्यूटर का तात्पर्य एक ऐसे यन्त्र से है, जिसका उपयोग गणना प्रक्रिया, यान्त्रिकी, अनुसंधान, शोध आदि कार्यों में किया जाता है।

अगली पीढ़ी के कम्प्यूटर

नैनो कम्प्यूटर

नैनो स्तर (10-9 M) पर निर्मित नैनो ट्यूब्स के प्रयोग से अत्यंत छोटे व विशाल क्षमता वाले कम्प्यूटर के विकास का प्रयास किया जा रहा है।

क्वांटम कम्प्यूटर

यह प्रकाश के क्वांटम सिद्धांत पर आधारित है जिसमें आंकड़ों का संग्रहण और संसाधन क्वांटम कण कहते हैं। ये कण युग्म में रहते हैं और क्यू बिट्स कहते हैं।

एप्लीकेशन पर आधारित कम्प्यूटर के प्रकार

एप्लीकेशन के आधार कम्प्यूटर तीन प्रकार के होते हैं:-

Analog Computer

जो भौतिक मात्राओं को नापने का कार्य करते हैं। एनालॉग कम्प्यूटर का प्रयोग विज्ञान एवं Engineering के क्षेत्र में किया जाता है। क्योंकि इन क्षेत्रों में परिमाण का प्रयोग अधिक होता है।

Digital Computer

यह कम्प्यूटर अंकों की गणना करते हैं। अधिकांशतः कम्प्यूटर डिजिटल कम्प्यूटर ही होते हैं।

Hybrid Computer

वे कम्प्यूटर जो एनालॉग एवं डिजिटल कम्प्यूटर दोनों का कार्य करते हैं। उदाहरण Petrol Pump यह Petrol आदि को मापता है और उसके मूल्य की गणना भी करता है।

File Extension Name

	Text File	Executable Files :
.docx	Microsoft Word Open XML Document	.cgi Common Gateway Interface Script
.log	Log File	.com DOS Command File
.msg	Outlook mail Message	.exe Windows Executable file
.odt	Open Document Text Document	.gadget Windows Gadget
.pages	Pages Document	.jar Java Archive File
.rtf	Rich Text Format File	.pif Program Information file
.tex	LaTeX Source Document	.vb VBScript file
		.wsf Windows Script File

कम्प्यूटर में प्रयुक्त होने वाले शब्द संक्षेप

ALGOL	Allogrithmic Language
ALU	Arthmatic and Logical Unit
AMD	Advanced Micro Devices
API	Application Programming Interface
ASP	Application Service Provider
BASIC	Beginner's All purpose Symbolic Instrucatin Code
BIOS	Basic input Output System
BITS	Binary Digits
BPI	Bytes Per Inch
CAD	Computer Aided Design
CAL	Computer Aided Learning
CD	Compact Disk
CDMA	Code Division Multiple Access
CPU	Central Processing Unit
DBMS	Database Management System
DMA	Direct Memory Access
DNS	Domain ame System
DOS	Disk Operating System
FTP	File Transfer Protocol
GPU	Graphics Processing Unit
GUI	Graphical Unser Interface
HDD	Hard Disk Drive
HDL	Hardware Markup Language
HTTP	Hypertext Trasfer Protocol
IMAP	Internet Massage Access Protocol
IP	Internet Protocol
IPC	Inter-Process Communication
LAN	Local Area Network
MDI	Multiple Document Interface
MIPS	Million Insturction Per Second
MODEM	Modulator-Demodulator
RAM	Random Access Memory
ROM	Read Only Memory
UI	User Interface
UL	Upload
URI	Unifrom Resource Identifier
URL	Unifrom Resource Locator
USB	Unifrom Serial Bus
WLAN	Wireless Local Area Nretwork
WWW	World Wide Web
EPROM	Erasable Programmable Read Only Memory
IGMP	Internet Group Management Acces Protocol
ISDN	Integrated Service Communication Network
MAN	Matropolition Area Network

कम्प्यूटर का विकास क्रम 3000 वर्ष पुराना है। चीन ने सबसे पहले गणना यंत्र अबेकस का आविष्कार किया था। यह एक यांत्रिक डिवाइस है। 17वीं शताब्दी में फ्रांस के गणितज्ञ ब्लेज पास्कल ने एक यांत्रिक अंकीय गणना यंत्र सन् 1645 में विकसित किया था। इस मशीन को एडिंग मशीन कहते थे। क्योंकि यह मशीन केवल जोड़ या घटा सकती थी।

जेकार्ड लूम (Jacquard Loom)

सन् 1801 में फ्रांसीसी बनकर जोसेफ ने कपड़े बुनने के ऐसे लूम का आविष्कार किया जाता कपड़ों में स्वतः ही डिजाइन या पैटर्न देता था।

चार्ल्स बैबेज का डिफरेंस इंजिन

चार्ल्स बैबेज ने सन् 1822 (Golden Year of Computer Hystory) में एक मशीन का निर्माण किया जिसका व्यय ब्रिटिश सरकार ने वहन किया। उस मशीन का नाम डिफरेंस इंजिन रखा गया। इस मशीन में गियर और शाफ्ट लगे थे। और यह भाप से चलती थी।

होलेरिथ सेंस टेबुलेटर (Hollerith Census Tabulator)

सन् 1890 में कम्प्यूटर इतिहास में एक और महत्वपूर्ण घटना हुई, वह थी अमेरिका का जनगणना का कार्य। सन् 1890 से पूर्व जनगणना का कार्य पारम्परिक तरीकों से किया जाता था।

आईकेन और मार्क 1 (Aiken and Mark 1)

सन् 1940 में (Electromechanical Computing) अपने शिखर पर पहुँच चुकी थी। आई बी एम के चार शोध इंजीनियरों व हॉवर्ड आईकेन से सन् 1944 में एक मशीन को विकसित किया और इसका अधिकारिक नाम Automatic Sequence Controlled Calculator रखा।

ABC

आईकेन और बी एम के मार्क-1 तकनीकी नई इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीकी आने से पुराने हो गई थी। नई इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीकी में कोई यांत्रिक पुर्जा संचालित करने की आवश्यकता नहीं थी। जबकि मार्क - 1 एक विद्युत मशीन है।

The ENIAC (1943-46)

इस कम्प्यूटर का पूरा नाम Electronic Numerical Intergrator and computer है इसका विकास आर्मी के लिए किया गया था।

The EDVAC (1946-52)

इस का पूरा नाम Electronic Discrete Variable Automatic Computer था यह पहला डिजिटल कम्प्यूटर था।

The EDSAC (1947-49)

इस का पूरा नाम था। Electronic Delay storage Automatic Computer यह पहला कम्प्यूटर था जिस पर प्रोग्राम को रन किया गया था।

The UNIVAC (1951)

इस का पूरा नाम Universal Automatic Computer था। यह पहला डिजिटल कम्प्यूटर था। और

यह व्यापार में प्रयोग होने वाला प्रथम कम्प्यूटर था।

अबेकस (Abacus)

- ✓ यह सबसे पहला एवं सबसे सरल यंत्र है।
- ✓ इसका प्रयोग गणना कार्यों में सहायता के लिए किया गया था।
- ✓ आधुनिक शोधों के अनुसार ली कार्ड चैन (Lee Kai Chen) को इसके आविष्कार का श्रेय जाता है।

अबेकस लकड़ी का एक आयताकार ढांचा होता है, जिसके अन्दर तारों का एक फ्रेम लगा होता है।

नेपियर बोन्स (Napier Bones)

- ✓ नेपियर बोन्स का आविष्कार स्कॉटलैंड के गणितज्ञ जॉन नेपियर ने किया था।
- ✓ इसकी सहायता से गुणा करने की क्रिया को अत्यंत शीघ्रतापूर्वक किया जा सकता है।
- ✓ नेपियर बोन्स में कुल दस आयताकार पट्टियाँ होती थीं, जिन पर क्रमशः 0 से 9 तक के पहाड़े लिखे होते थे।

स्लाइड रूल (Slide Rule)

- ✓ जर्मनी के गणितज्ञ विलियम ऑट्टेड के स्लाइड रूल का आविष्कार किया था।

- ✓ यह लघुगणक विधि के आधार पर सरलता से गणनाएँ कर सकता था।

- ✓ इसमें दो विशेष प्रकार की चिह्नित पट्टियाँ होती थीं, जिन्हें बराबर में रखकर आगे-पीछे सरकाकर लघुगणक की क्रिया सम्पन्न होती थी।

- ✓ बीसवीं शताब्दी के आठवें दशक में इलेक्ट्रॉनिक पॉकेट कैल्कुलेटरों के अस्तित्व में आने के पश्चात इसका प्रयोग बन्द हो गया।

पास्कल गणना यंत्र (Pascal's Calculator)

- ✓ फ्रांस के गणितज्ञ ब्लेज पास्कल (Blaise Pascal) ने इस यांत्रिक अंकीय गणना यंत्र का आविष्कार किया।
- ✓ इस मशीन से कई दैतदार चक्र और पुराने टेलीफोन की तरह घुमाने वाले डायल होते थे, जिन पर 0 से 9 तक संख्याएँ अंकित होती थी।

लेबिनाज का यांत्रिक कैलकुलेटर

- ✓ जर्मन गणितज्ञ गोर्टफ्रेड वॉन लेबनीज ने इस यंत्र का आविष्कार किया।
- ✓ इस मशीन को लेबनीज की रेकनिंग मशीन भी कहा जाता है।
- ✓ यह मशीन आज भी कार व स्कूटर के स्पीडोमीटर में प्रयुक्त की जाती है।

क्षमता पर आधारित कम्प्यूटर के प्रकार

1. General Purpose Compter

जिससे सामान्य कार्य किये जाते हैं। इनका प्रयोग घरों एवं दुकानों पर किया जाता है।

2. Special Purpose Computer

यह कम्प्यूटर विशेष कार्य के लिए तैयार किए जाते हैं। इनका प्रयोग निम्न क्षेत्रों में किया जाता है। जैसे मौसम विज्ञान, कृषि विज्ञान, युद्ध एवं अंतरिक्ष आदि विज्ञान में इसका प्रयोग होता है।

आकार एवं कार्य के आधार पर कम्प्यूटर के प्रकार

1. Micro Computer

यह कम्प्यूटर आकार के छोटे होते हैं। इन कम्प्यूटर का विकास 1970 के दशक में हुआ था। इन कम्प्यूटरों में माइक्रो प्रोसेसर का प्रयोग किया जाता था। इन कम्प्यूटरों को PC भी कहा जाता था। PC को निम्न भागों में बाँटा गया है।

- Desktop Computer
- Laptop Computer
- Palmtop Computer
- Notebook Computer
- Tablet Computer

(a) Desktop Computer

Desktop Computer वे कम्प्यूटर होते हैं जिनको टेबिल पर रखकर चलाया जाता है।

(b) Laptop Computer

यह साईज में बहुत छोटे होते हैं। इन कम्प्यूटरों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जा सकते हैं। इनमें पावर के लिए बैटरी का प्रयोग होता है।

(c) Palmtop Computer

यह कम्प्यूटर Laptop Computer से छोटे होते हैं जिनको हथेली में रखकर चलाया जाता है। इनकी कार्य करने की क्षमता लेपटॉप से थोड़ी कम होती है।

(d) Notebook Computer

Notebook Computer Laptop Compute के समान ही होते है।

(e) Tablet Computer

यह कम्प्यूटर बहुत की छोटे कम्प्यूटर होते हैं। ये मोबाइल से थोड़े बड़े होते हैं। ये टचस्क्रीन होते हैं।

2. Workstation Computer

Workstation Computer का प्रयोग छोटे व्यापार में सर्वर के रूप में किया जाता है। इनकी कार्य करने की क्षमता माइक्रो कम्प्यूटर की अपेक्षा अधिक होती है।

3. Mini Computer

ये वो कम्प्यूटर बड़ी बड़ी कंपनियों एवं सरकारी ऑफिस में सर्वर कम्प्यूटर के कार्य के लिए प्रयोग किये जाते हैं। PDP- 8 First Mini Computer जिसका विकास 1965 में किया गया था। DEC Company ने बनाया था DEC का पूरा नाम Digital Equipment Corporation है।

4. Mainframe Computer

ये वे कम्प्यूटर हैं जो बड़ी-बड़ी कंपनियों एवं सरकारी ऑफिस में सर्वर कम्प्यूटर के कार्य के लिए प्रयोग किए जाते हैं। ये कम्प्यूटर छोटे-छोटे फ्रेम के बने होते हैं। इन कम्प्यूटरों में माइक्रो कम्प्यूटर का प्रयोग के तौर पर किया जाता है। कुछ Mainframe Computer निम्न हैं IBM 4381, ICL 39, CDC Cyber etc.

5. Super Computer

सुपर कम्प्यूटर विशेष प्रकार के कम्प्यूटर होते हैं। इनका निर्माण विशेष कार्य के लिए किया जाता है। ये दुनिया के सबसे तेज और बड़े कम्प्यूटर होते हैं। भारत का पहला सुपर कम्प्यूटर परम है। नवीनतम सुपर कम्प्यूटर PARAM-10000 है। विश्व का सुपर कम्प्यूटर Gay-1 है इसे C.DAC ने बनाया था। सुपर कम्प्यूटर के कार्य निम्नलिखित हैं - अंतरिक्ष यात्रा कि लिए, मौसम विज्ञान की जानकारी के लिए, युद्ध कि लिए।

कम्प्यूटर सिस्टम के घटक

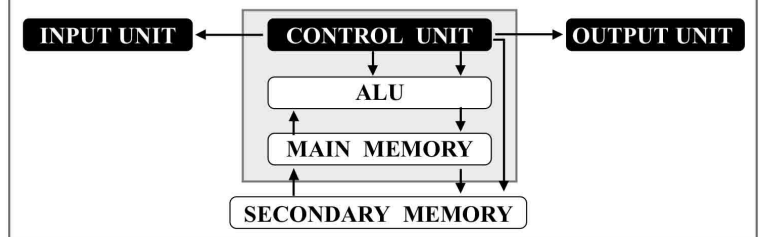
कम्प्यूटर सिस्टम के चार घटक होते हैं, जो निम्नलिखित हैं -



इनपुट डिवाइस INPUT DEVICES

- मानवीय निर्देशों को कम्प्यूटर के समझने योग्य संकेतों में परिवर्तित करने के लिए जिन युक्तियों का प्रयोग किया जाता है उन्हें इनपुट युक्तियाँ कहते हैं। जैसे - की-बोर्ड, माउस आदि।
- सी.पी.यू. (C.P.U.) :- सी.पी.यू. का कार्य दिये गए डाटा प्रोसेस करके, उससे आउटपुट रूप में सूचनाएँ परिणाम प्रदर्शित करना होता है।

C.P.U. को मुख्यतः तीन भागों में बाँटा गया है।



कंट्रोल यूनिट

कंट्रोल यूनिट कम्प्यूटर की आन्तरिक क्रियाओं को संचालित करके, उन्हें नियंत्रित करती है। तत्पश्चात इन क्रियाओं का एप्लय तथा मैमोरी में आदान-प्रदान करती है।

अर्थ मैटिक लॉजिक यूनिट

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि यह यूनिट सभी प्रकार की अर्थ मैटिक और लॉजिकल क्रियाएँ करती है। ए.एल.यू. कन्ट्रोल यूनिट से डाटा तथा निर्देशों को प्राप्त करके उन्हें क्रियान्वित करता है। तत्पश्चात डाटा तथा निर्देशों को सूचना के रूप में मैमोरी में भेज देता है।

कैश मैमोरी (Cache Memory)

इसके द्वारा मैमोरी यूनिट तथा कम्प्यूटर की गति के बीच समन्वय स्थापित किया जाता है। इससे कम्प्यूटर की गति में वृद्धि होती है।

सीपीयू की गति की प्रभावित करने वाले कारक

शब्द परास (Word Length) कम्प्यूटर घड़ी (System Clock) समानांतर गणना (Parallel Processing)

मैमोरी

मैमोरी मुख्यतः दो प्रकार की होती है।

मुख्य मैमोरी (Main Memory)

इस मैमोरी को Main Memory भी कहा जाता है। यह दो प्रकार की होती है।

- RAM
- ROM

सहायक मैमोरी (Auxiliary Memory)

सहायक मैमोरी उसमें बाहर चुम्बकीय माध्यमों जैसे - हार्ड डिस्क, फ्लॉपी डिस्क, चुम्बकीय टेप आदि के रूप में होती है।

मैमोरी (MEMORY)

यह Computer की स्टोरेज यूनिट है। यह कम्प्यूटर का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसमें हम डाटा प्रोग्राम आदि को स्टोर करके रख सकते हैं। इसको नापने की साईज के आधार पर कई यूनिट है। जैसे बाईट, किलोबाईट, मेगाबाईट, गीगाबाईट एवं टेराबाईट इसमें सबसे छोटी यूनिट बाईट एवं सबसे बड़ी यूनिट टेराबाईट होती है। मैमोरी दो प्रकार की होती है।

1. Primary Memory
2. Secondary Memory

Primary Memory :-

इस मैमोरी को Main Memory भी कहा जाता है। यह दो प्रकार की होती है।

- A. RAM
- B. ROM

RAM (Random Access Memory)

इसका पूरा नाम Random Access Memory है। इसकी निम्न विशेषताएँ होती है। इसको कम्प्यूटर की प्रमुख मैमोरी कहा जाता है। यह अस्थायी मैमोरी होती है।

डाटा कम्प्यूटर बंद होने पर डिलिट हो जाता है। जिसको पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता है। यह Volatile Memory कहलाती है। यह एक Semiconductor or Flip Flop से मिलकर बनी Memory होती है। जैसे SRAM, DRAM, SD RAM etc.

SRAM : इसका पूरा नाम Static Random Access Memory है। यह Flip Flop से मिलकर बनी होती है। इसलिए यह कम Refresh होती है।

DRAM : इसका पूरा नाम Dynamic Random Access Memory है। यह मैमोरी जल्दी-जल्दी रिफ्रेश होती है। Refresh का मतलब Electronic Charge or Discharge से होता है।

यह एक सैकण्ड में हजारों बार रिफ्रेश होती है। अतः इसकी गति धीमी होती है। यह अन्य रैम की अपेक्षा सस्ती होती है।

SD RAM : इसका पूरा नाम Synchronous Dyanamic Random Access Memory है।

V RAM : इसका पूरा नाम Volatile Random Access Memory है। इस रैम का प्रयोग नेटवर्क डिवाइस में हार्डडिस्क के रूप में किया जाता है। यह एक महंगी मैमोरी होती है।

ROM (Read Only Memory)

ROM का पूरा नाम Read Only Memory है। यह कम्प्यूटर की Primary Memory होती है। यह स्थायी मैमोरी होती है। इसमें कम्प्यूटर को स्टार्ट करने वाले प्राथमिक एवं सेटिंग होती है। यह तीन प्रकार की होती है।

1. PROM
2. EPROM
3. EEPROM

1. PROM : इसका पूरा नाम Programmable Read Only Memory है। इस चिप में एक बार प्रोग्राम स्टोर किया जा सकता था। यदि प्रोग्राम में त्रुटि (Error) होने पर उसमें कोई सुधार नहीं किया जा सकता है।

2. EPROM : इसका पूरा नाम Erasable Programmable Read Only Memory है। इस चिप में स्टोर प्रोग्राम में सुधार किया जा सकता था। चिप में सुधार करने के लिए चिप को बोर्ड से निकाल कर पैराबैंगनी (Ultraviolet) के सामने रखा जाता था।

3. EEPROM : इसका पूरा नाम Electrically Erasible Programmable Read Only Memory है। इस चिप में EPROM की समस्या को दूर किया है। इस चिप में स्टोर प्रोग्राम एवं डाटा में सुधार करने के लिए विद्युत का प्रयोग किया गया था। आजकल के मर्दबोर्ड में इसी रैम का प्रयोग किया जा रहा है।

Memory Unit

Unit	Short Time	Capicity Bit
Bit	(Machine Lang.) Bit	0,1 (Binary Lang.)
Nibble	Nibble	4 bits
Byte	Byte	8 bits
Kilo Byte	KB	1024 Bytes = 1 KB
Mega Byte	MB	1024 KB = 1 MB
Giga Byte	GB	1024 MB = 1 GB
Tera Byte	TB	1024 gb = 1 TB

Stroge Devices

Storage Device	Storage Capacity	Access Speed
Hard Disks	Upto 256 TB (Tera bytes)	Upto 200 Mbps
Floppy Disks	1.44 Mb	36 kbps
CD Rom's	650 Mb	Upto 150 Mbps
DVD Roms	Upto 17 GB	Upto 125 Mbps
USB Storage	Upto 256 Gb	60 Mbps
MemoryCard	128 Gb	upto 133 Mbps

Output Devices

Monitor (मोनीटर) एक आउटपुट डिवाइस है। इसको विजुअल डिस्प्ले यूनिट भी कहा जाता है। मोनीटर के प्रकार :-

- A. CRT Montor (Cathode Ray Tube)
- B. LCD Monitor (Liquid Crystal Display)
- C. LED Montor (Liquid emitting diode)

Characteristics of Monitor

1. Resolution (रिजोल्यूशन) : Display devise का महत्वपूर्ण गुण रिजोल्यूशन या स्क्रीन के चित्र की स्पष्टता होता है। मोनीटर में चित्र का निर्माण छोटे-छोटे बिन्दुओं से मिलकर होता है। जिसे पिक्सेल कहा जाता है। जब वह बिन्दु चमकते हैं।
2. Refresh Rate : मोनीटर से रिफ्रेश रेट को हर्टन में नापा जाता है।
3. Dot Pitch : डॉट पिच एक प्रकार की मापन तकनीकी है। कलर मोनीटर की डॉट पिच 0.15 से 0.30 तक होती है।
4. Interlacing or non interlacing : यह एक ऐसी डिस्प्ले तकनीकी है। जो की मोनीटर से रिजोल्यूशन की गुणवत्ता में और अधिक वृद्धि करती है।
5. Bit Mapping : जिसमें टैक्स ग्राफिक्स दोनों को प्रदर्शित किया जा सकता है, वह बिट मैपिंग कहलाती है। इससे ऑपरेंटर किसी भी आकृति को स्क्रीन पर बना सकता है।

Printer (रिजोल्यूशन) : Printer एक ऑन लाईन आउटपुट डिवाइस है। इससे आउटपुट को कागज पर छाप कर प्रस्तुत किया जाता है। कागज पर लिये गये आउटपुट को hard copy कहा जाता है। Printering Teachnology के आधार पर प्रिंटर दो प्रकार के होते हैं। यह वे प्रिंटर होते हैं, जो प्रिंटिंग करते समय आवाज करते हैं। इसलिए इनको Impact Printer कहते हैं।

Impact Printer : इम्पैक्ट प्रिंटर दो प्रकार होते हैं।

1. Draft Quality Printening :- इसमें सामान्य छपाई होती है।
 2. Near Letter Quality Printering :- इस प्रिंटिंग में एक अक्षर को दो बार छपा जाता है। इसकी प्रिंटिंग गति धीमी होती है।
- Daisy Wheel Printer : यह एक ठोस मुद्रा - अक्षर (Solid Font Printer) Impact printer है। इसके प्रिंटिंग हेड में एक चक्र (Wheel) होता है, जिसके प्रत्येक ताने पर एक अक्षर अथवा रहता है।

Line Printer :- Printing के आधार पर Line Printer तीन प्रकार के होते हैं। लाईन प्रिंटर वे होते हैं, जो एक बार एक लाईप को प्रिंट करते हैं। यह इम्पैक्ट प्रिंटर होते हैं। ये तीन प्रकार के होते हैं।

1. Chain Printer : इस प्रिंटर में एक चैन होती है। जिसे प्रिंटिंग चैन कहते है।
2. Band Printer : इस प्रिंटर में एक बैंड होता है। जिसे प्रिंटिंग बैंड कहते हैं।
3. Drum Printer : इस प्रिंटर में एक ड्रम होता है। इस पर ठोस अक्षर चिपके रहते हैं।

Secondary Storage Device

Secondary Strorage Device Auxiliary Storage Device भी कहा जाता है। यह कम्प्यूटर का भाग नहीं होती है। इस मैमोरी का उपयोग बैकअप के लिए किया जाता है। इसकी Storage क्षमता अधिक होती है एवं डाटा का एक्सेस करने की गति Primary Memory से धीमी होती है। डाटा को एक्सेस करने के आधार पर यह तीन प्रकार की होता है।

1. Sequential Access Storage Device :- इस क्रिया में Storage Data को उसी क्रम में एक्सेस किया जाता है जिस क्रम में स्टोर किया जाता है। चुम्बकीय टेप इसी का उदाहरण है।

2. Intex Sequential Access Method :- इसमें डाटा को Sequential Access Method से ही एक्सेस किया जाता है। लेकिन इसमें डाटा को स्टोर करते समय एक इंडेक्स तैयार कर लिया जाता है।

3. Direct Access Method : इसमें डाटा को किसी भी क्रम में एक्सेस किया जा सकता है। एवं किसी भी क्रम में डाटा को स्टोर किया जा सकता है। इसकी एक्सेस गति सीरियल एक्सेस की तुलना में अधिक होती है।

Types of Storage Device

1. Magnetic Tape : Magnetic Tape एक स्थाई द्वितीयक स्टोरेज डिवाइस है। इसमें एक प्लास्टिक के टेप पर चुम्बकीय पदार्थ (Magnetic Oxide) का लेपन रहता है।

2. कार्टेज टेप (Cartidge Tape) :- इस टेप की चौड़ाई चुम्बकीय टेप से कम होती है। 1970 के दशक के अंत में घरेलू कम्प्यूटरों में कॉम्पैक्ट कैसैट का प्रयोग किया जाता था।

3. चुम्बकीय डिस्क (Magnetic Disk):- आजकल डाटा को स्टोर करने के लिए कम्प्यूटरों में चुम्बकीय डिस्क का प्रयोग किया जा रहा है। चुम्बकीय डिस्क तीन प्रकार की होती है।

- A. Hard Disk
- B. Floppy Disk
- C. Optical Disk

A हार्ड डिस्क : हार्ड डिस्क का विकास कम्प्यूटर में डाटा को स्टोर करने के लिए किया गया था आजकल इसका प्रयोग कम्प्यूटर से आगे बढ़कर कई क्षेत्रों में हो रहा है। डिस्क की प्लेट में Track and Sector होते हैं। सेक्टर में डाटा स्टोर होता है। एक सेक्टर में 512 बाइट डाटा स्टोर होता है।

डाटा को स्टोर एवं पढ़ने के लिए तीन तरह के समय लगते हैं।

1. Seek Time : डिस्क में डाटा की रीड या राईट करने वाले तक पहुंच में लगा समय सीक टाइम कहलाता है।
2. Letancy Time : में डाटा को लिखने एवं पढ़ने में जो समय लगाता लेटेंसी टाइम कहलाता है।
3. Transfer Rate : Sector में डाटा को लिखने एवं पढ़ने में जो समय लगाता है उसे Transfer Rate कहा जाता है।

B फ्लॉपी डिस्क : फ्लॉपी डिस्क को डिस्क्रेट या केवल फ्लॉपी कहा जाता है। इस प्रयोग माइक्रो कम्प्यूटरों में होता है। यह आकार एवं साईज के आधार पर दो प्रकार की होती है।

1. Mini Floppy : यह आकार में 5¼ इंच की होती है। संग्रहण क्षमता 1. 1.2 MB होती । इनकी Drive भी आकार में इसी के आकार की होती है।

2. Micro Floppy : यह आकार में 3½ इंच की होती है। इनकी संग्रहण क्षमता 1.4 MB होती है।

C ऑप्टिकल डिस्क : ऑप्टिकल डिस्क वे डिस्क होती है। जिसमें डाटा की रीड और स्टोर करने के लिए लाइटों का प्रयो किया जाता है। ऑप्टिकल डिस्क कहलाती है। इस डिस्क में एक रसायनिक पदार्थ का लेप रहता है। 1 सीडी 2 डीवीडी।

Non Impact Printer : Non Impact Printer वे प्रिंटर होते हैं, जो प्रिंटिंग करते समय आवाज नहीं करते है। Non Impact Printer दो प्रकार के होते हैं।

Ink Jet Printer : एक non impact printer है। रंगीन इंकजेट प्रिंटर में स्याही के चार नोजल होते हैं। नीला, लाल, पीला, काला इसलिए इसको CMYK प्रिंटर भी कहा जाता है। इसी प्रिंटिंग क्वालिटी प्रायः Ink Jet 300 DPI (Dot Per Inch) होती है।

Laser Printer : यह नॉन इम्पैक्ट प्रिंटर है। इसका प्रयोग कम्प्यूटर में 1970 के दशक से किया जा रहा है। इसकी प्रिंटिंग क्वालिटी 300 से 600 DPI तक होती है। जो सर्वश्रेष्ठ होता है। इसकी गति को ppm में नापा जाता है। आजकल इनकी कीमत

Plotter (प्लॉटर) : यह एक आउटपुट डिवाइस है इससे चित्र एवं ग्राफ को प्रिंट किया जाता है। यह 3D Printing भी कर सकते हैं। इसके द्वारा बैनर पोस्टर आदि को प्रिंट किया जाता है। यह दो प्रकार के होते है।

1. Drun pen plotter 2. Fletbed plotter

Sound Card & Speaker : Sound card एक Extenstin board होता है। जिसका प्रयोग साउण्ड को edit करने एवं output करने में होता है।

मानवीय निर्देशों को कम्प्यूटर के समझने योग्य संकेतों में परिवर्तित करने के लिए जिन युक्तियों का प्रयोग किया जाता है उन्हें इनपुट युक्तियाँ कहते हैं। जैसे कीबोर्ड, माउस आदि। इनपुट डिवाइस दो प्रकार के होते हैं 1. Online 2. Offline



Input and output devices

Mouse (माउस)

यह GUI Interface में सबसे ज्यादा प्रयोग होनी वाली Pointer input device है। इसका विकास 1980 के दशक के बाद किया गया था। इसका आकार माउस के समान होने के कारण इसे माउस कहा जाता है। इसमें कुल तीन बटन होते हैं। Left and Right button और बीच में एक Scroll Button होता है। माउस तीन प्रकार के होते हैं।

1. Mechanical Mouse
2. Optical Mouse
3. Wireless Mouse

1. Mechanical Mouse (यांत्रिकी माउस) : इन माउस का प्रयोग 1990 के दशक में किया जाता है। इसमें एक खर की गेंद होती थी, जो माउस के खोल से थोड़ी बाहर निकली रहती है।

2. Optical Mouse (प्रकाशीय माउस) : Optical mouse एक नये प्रकार माउस हैं। आजकल इन माउस का प्रयोग सबसे ज्यादा हो रहा है।

3. Cordless Mouse : यह आज के आधुनिक युग के माउस हैं। यह माउस फ्रीक्वेंसी के आधार पर कार्य करते हैं। इसमें दो प्रमुख कम्पोनेन्ट्स transmitter and receiver होते हैं। यह electromagnetic signal के रूम में माउस की गति तथा क्लिक करनेकी सूचना Computer को भेजी जाती है। रिसेवर कम्प्यूटर में जोड़ा जाता है। तथा इसके Driver को कम्प्यूटर में Install करना पड़ता है। आज के कम्प्यूटरों में यह इन बिल्ट भी होता है।

हम माउस के साथ कई प्रकार की क्रियाएँ करते हैं-

पॉइंटिंग (Pointing) : जब हम माउस को इधर-अधर खिसका कर माउस पॉइंटर का अपने डेस्कटॉप की किसी आइकॉन पर लाते हैं, तो इसे पॉइंट करना कहा जाता है।

क्लिकिंग (Clicking) : जब हम माउस पॉइंटर को किसी आइकॉन या प्रोग्राम पर लाकर माउस के बाएँ बटन को एक बार दबाकर छोड़ देते हैं, तो उस क्रिया को क्लिक करना कहा जाता है।

डबल क्लिकिंग (Double Clicking) : जब हम माउस के बाएँ बटन से जल्दी-जल्दी बार क्लिक करते हैं, तो उस क्रिया को डबल क्लिक करना कहा जाता है। डबल क्लिक से चयन किया गया प्रोग्राम सीधा खुल जाता है।

राईट-क्लिकिंग (Right Clicking) : जब हम माउस पॉइंटर को किसी आइकॉन या प्रोग्राम पर लेकर माउस के दाएँ बटन को क्लिक करते हैं, तो इस क्रिया को राईट क्लिक करना कहा जाता है।

ड्रैगिंग (Dragging) : जब हम पॉइंटर को किसी आयकॉन पर लाकर माउस के बाएँ बटन को दबाकर पकड़ लेते हैं और माउस बटन को दबाए रखकर ही माउस पॉइंटर को इधर-उधर सरकाते हैं, तो इस क्रिया को खींचना या ड्रैग करना कहा जाता है। इस क्रिया का प्रयोग कम्प्यूटर की माउस पॉइंटर का इधर-उधर सरकाते हैं, तो इस क्रिया को खींचना या ड्रैग करना कहा जाता है। इस क्रिया का प्रयोग कम्प्यूटर यूजर द्वारा अधिकांशतः चित्र बनाते समय, लोगो बनाते समय किसी भी तरह की डिजाइनिंग करते समय किया जाता है।

OCR, OMR and OBR : OMR इसका पूरा नाम Optical Mark Reader है। यह एक ऐसी डिवाइस है जो OMR Sheet पर पेन्सिल या पेन के चिह्न की उपस्थिति और अनुपस्थिति को जाँचती है। आजकल इसका प्रयोग Competitive examination की answer book को check करने में किया जाता है। इसके प्रयोग से कम समय में सही परिणाम आ जाते हैं।

OCR : इसका पूरा नाम Optical Character Recognition है। OCR के फॉन्ट कम्प्यूटर में स्टोर रहते हैं। जिन्हें ओसीआर स्टैण्डर्ड कहते हैं। इसमें Letter, Number and PECIAL Symbol होते हैं।

Trackball : यह एक Pointer device है। यह माउस के समान कार्य करती है। इसमें एक उभरी हुई गेंद होती है। इसकी सहायता से गेम्स भी खेले जाते हैं। यह कम जगह घेरता है। इसमें केवल गेंद को घूमना पड़ता है, पूरी trackball device को नहीं।

Light Pen : लाईट पेन का प्रयोग कम्प्यूटर स्क्रीन पर कोई चित्र या आकृति का निर्माण करने के लिए किया जाता है। यह भी एक पॉइंटर डिवाइस है। आजकल इसका प्रयोग CAD के कार्यों में अधिक हो रहा है।

Touch Screen : Touch Screen का प्रयोग आजकल बैंकिंग, रेलवे, एयरपोर्ट एवं लाइब्रेरी में केंद्रलोन फाइल को ढूँढ़ने में किया जा रहा है। Digitizing tablet or Graphic Table :- Digitizing tablet एक Drawing सतह होती है। इसके साथ एक पेन या माउस होता है। इस टेबिल पर पतले तारों का जाल होता है। जिस पर पेन चलाते ही संकेत कम्प्यूटर में चले जाते हैं।

Voice recognition : इसकी सहायता से हम डाटा को कम्प्यूटर में बोलकर इनपुट करा सकते हैं।

Bar Code Reader (BCR) : BCR का प्रयोग व्यावसायिक क्षेत्र में किया जाता है। इसके उत्पाद (Product) के पैकेट के ऊपर छपे हुए बार कोड को पढ़ने के लिए किया जाता है।

Offline input device : वे डिवाइस जो कम्प्यूटर से plug किए बिना डाटा को collect करके कम्प्यूटर में इनपुट करती हैं। ऑफ लाईन इनपुट डिवाइस कहलाती हैं। कैमरा एक ऑफ लाईन इनपुट डिवाइस है।

Digital Camera : यह एक ऑफ लाईन इनपुट डिवाइस है। इसका प्रयोग फोटो खींचने एवं स्टोर करने के लिए किया जाता है।

1. Online Input Device : वे डिवाइस जो कम्प्यूटर से होकर डाटा को इनपुट करने का कार्य करती है। आनलाइन इनपुट डिवाइस कहलाती है। जैसे-Keyboard, Mouse, Scanner, Joy Strick, Trackball, Digital Tablet, MICR, OCR, OMR, BCR, Light Pen, Touch Screen, Voice Recognition

Keyboard - यह एक सबसे ज्यादा प्रयोग की जाने वाली ऑनलाइन इनपुट डिवाइस है। इससे text, number, symbol आदि को कम्प्यूटर के अंदर इनपुट किया जाता है। एक स्टैंडर्ड की-बोर्ड में 101 की होती है। की-बोर्ड को चार भागों में बाँटा गया है।

1. Function Key
2. Alfa-numeric key pad
3. Numeric key pad
4. Special key

1. Function Key

यह की-बोर्ड में सबसे ऊपर होती है। इनकी संख्या बारह (F1-F12) होती है।

F1 कम्प्यूटर पर काम करते समय हमें मदद की आवश्यकता होती है।

F2 कम्प्यूटर पर इस कुंजी की सहायता से किसी भी फोल्डर एंव फाइल का नाम बदल सकते हैं।

F3 कम्प्यूटर पर इस कुंजी की सहायता से किसी भी फोल्डर फाइल चित्र आदि को खोजने के लिए काम में लिया जाता है।

F4 कम्प्यूटर पर इस कुंजी की सहायता इंटरनेट एक्सप्लोर में एड्रेस बार खुल जाएगी। और Alt के साथ F4 दबाने से चालू प्रोग्राम बंद हो जाएगा।

F5 कम्प्यूटर को इस कुंजी की सहायता से ताजा (Refresh) कर सकते हैं और वेब पेज को दोबारा लोड कर सकते हैं।

F6 वर्ड में काम करते समय इस कुंजी को दो बार दबाने से मेनू बार सक्रिय हो जाती है।

F7 वर्ड में काम करते समय वर्तनी और व्याकरण से सम्बन्धी गलती को सुधारने के लिए इस कुंजी की सहायता ली जाती है।

F8 कम्प्यूटर में विंडो लोड करते समय इस कुंजी को दबाकर बूट प्रक्रिया चालू की जा सकती है।

F9 वर्ड में इस कुंजी की सहायता से सलेक्सन का हटाया जाता है और यह बूट प्रक्रिया चालू करने के काम में भी ली जाती है।

F10 कम्प्यूटर पर इस कुंजी की सहायता प्रोग्राम मेनू बार को सक्रिय करने के काम में ली जाती है। और Shift के साथ F10 दबाने से डेस्कटॉप पर Right Click का कार्य करता है।

F11 इंटरनेट एक्सप्लोर में काम करते समय इस कुंजी की सहायता से इंटरनेट एक्सप्लोर को फुल स्क्रीन पर देखा जा सकता है।

F12 वर्ड में कार्य करते समय कुंजी की सहायता से Save as विंडो खुल जाती है और फाइल को सेव कर सकते हैं।

2. Alfa-Numeric Keyboard :

यह की-बोर्ड के मध्य का हिस्सा होता है यह की सबसे महत्वपूर्ण की होती है। इससे A to Z, a to z, 0 to 9, @#\$%^&*() आदि आते हैं।

3. Numeric Key : यह की बोर्ड में दाये तरफ होती है। इनमें कुल 17 की होती है।

4. Special Key : इनकी संख्या की बोर्ड में कम होती है इनसे कम्प्यूटर के Special कार्य किए जाते हैं। जैसे - screen, printing, scroll lock, insert, power button, home, end, insert etc.

स्कैनर (Scanner) : स्कैनर एक ऑनलाइन इनपुट डिवाइस है। इससे हम सूचना एवं डाटा को कम्प्यूटर के अन्दर सीधे इनपुट कर सकते हैं। इससे किसी भी किताब, फोटो एवं अन्य डाटा को पढ़कर उसे कम्प्यूटर में फोटो के रूप में सेव करता है। इससे हम हाइकोपी को Soft कॉपी

में परिवर्तित कर सकते हैं।

MICR Scanner : MICR का प्रयोग बैंकिंग में अधिक किया जाता है। बैंक में अधिक संख्या में चैक जांचने में इनका प्रयोग होता है।

MICR Technology में चैक पर विशेष चुम्बकीय स्याही द्वारा कैरेक्टर छापे जाते हैं।

Optical Scanner इसमें प्रकाशित विधि से प्रकाश कैरेक्टर पर डाला जाता है। इसके उदाहरण

Joystick : इसका प्रयोग कम्प्यूटर में गेम्स खेलने के लिए किया जाता है।



Standard Toolbar Keyboards Shortcuts (स्टैंडर्ड टूलबार कुंजीपटल शॉर्टकट)

टूलबार का नाम	की-बोर्ड ऑपरेशन	विवरण
New Blank Document	Ctrl+N	एक नई रिक्त फाइल या टेम्पलेट आधारित फाइल बनाता है।
Open (File Menu)	Ctrl+O	चयनित (Selected) फाइल को खोलता है।
Save (File Menu)	Ctrl+S	सक्रिय फाइल को इसके वर्तमान नाम, स्थान तथा स्वरूप (Selected) के साथ सुरक्षित (Save) रखते हैं।
Mail Recipient		दस्तावेज (Content of Document) को ई-मेल संदेश के ढांचे (Body) के रूप में भेजता है।
Print (File Menu)	Ctrl+P	चयनित फाइल को दस्तावेज को प्रिंट करने के लिए उपयुक्त कमांड का प्रयोग होता है। प्रिंट विकल्प का चयन फाइल मेन्यू में विकल्प पर क्लिक करते हैं।
Print Preview (File Menu)	Ctrl+F2	हम जिस फाइल को प्रिंट कर रहे हैं वह प्रिंट के बाद कैसी लग रही है। यह देखने के लिए इस कमांड का प्रयोग करते हैं।
Spelling and Grammer (Tools menu)	F7	सक्रिय दस्तावेज में वर्तनी तथा व्याकरण जांच तथा लेखने शैली की त्रुटियों की जांच की जाती है।
Cut (Edit Menu)	Ctrl+X	सक्रिय फाइल में से चयनित टेक्स्ट या चित्र को हटाता है।
Copy (File Menu)	Ctrl+C	क्लिप बोर्ड में चयनित चित्र या टेक्स्ट की प्रतिलिपि (Copy) बनाकर रखता है।
Paste (File Menu)	Ctrl+V	क्लिपबोर्ड से कॉपी किया गए चित्र या टेक्स्ट को इच्छित स्थान पर पेस्ट करता है।
Undo (File Menu)	Ctrl+Z	अंत में किए गए कार्य को विफल कर देता है।
Redo (File Menu)	Ctrl+Y	Undo आदेश द्वारा किए गए कार्य को विफल करता है।
Hyperlink	Ctrl+K	नए हाइपर लिंक को डालता है या चयनित हाइपर लिंक को एडिट करता है।
Tables & Borders		टेबल और बॉर्डर (Tables & Borders) टूलबार प्रदर्शित करता है।
Insert Table		टेबल बनाता है।
Insert Excel Worksheet		दस्तावेज में एक्सल श्रेडशीट जोड़ता है।
Zoom		दस्तावेज के डिस्प्ले का 10 से 400 प्रतिशत तक छोटा या बड़ा प्रदर्शित करता है।
Office Assistant		यह हेल्प टॉपिक और युक्तियाँ (Help topics & Tips) प्रदान करता है जिसकी सहायकता से हम अपने कार्य को पूरा

Formating Toolbar Keyboards Shortcuts (फॉर्मेटिंग टूलबार कुंजीपटल शॉर्टकट)

टूलबार का नाम	की-बोर्ड ऑपरेशन	विवरण
Style	Ctrl+Shit+S	टेक्स्ट को स्टाइल में परिवर्तन कर उसे अपनी इच्छानुरूप शैली ढालना संभव है।
Font	Ctrl+Shit+F	टेक्स्ट की लिखावट (Font) में परिवर्तन करता है।
Font Size	Ctrl+Shit+P	टेक्स्ट के फोन्ट के आकार में परिवर्तन करता है।
Bold	Ctrl+B	टेक्स्ट को बोल्ड अर्थात् मोटे अक्षरों में परिवर्तित किया जाता है।
Italic	Ctrl+I	चयनित टेक्स्ट को तिरछे टाइप (Italic) में परिवर्तित करता है।
Underline	Ctrl+U	चयनित टेक्स्ट को लगातार अंडरलाइन करता है।
Align Left	Ctrl+L	टेक्स्ट या पैराग्राफ को बायें हाशिप (Margin) करता है।
Centre	Ctrl+E	टेक्स्ट को बाएं व दाएं हाशिप के बीच में रखता है।
Align Right	Ctrl+R	टेक्स्ट या पैराग्राफ को दाएं हाशिप से लिखना या भरना शुरू करता है।
Justify	Ctrl+J	टेक्स्ट को बाएं तथा दाहिने हाथिए के बीच हर शब्दों के बीच जगह को बढ़ा या घटा समान रूप से फैलाता है।
Numbring	Ctrl+Shit+S	वर्तमान डिफाल्ट के आधार पर संख्यात्मक लिस्ट बनाता है अर्थात् हर पंक्ति या पैराग्राफ को श्रेणीबद्ध संख्या देती है। जैसे- 1,2,3 आदि।
Bullets		वर्तमान डिफाल्ट बुलेट के आधार पर बुलेटेड (●) सूची बनाता है।
Decrease Indents		यह बाएं हाशिप (Left Margin) को घटता है।
Increase Indents		यह दाएं हाशिप (Right Margin) को घटता है।
Outside Borders		चयनित टेक्स्ट, पैराग्राफ, चित्र या दूसरी वस्तु के चारों ओर बॉर्डर बनाता या हटाता है।
Highlights		चयनित टेक्स्ट के टुकड़े को अपने अनुरूप चुने हुए रंग से हाइलाइट करता है।
Font Colour		टेक्स्ट की लिखावट के रंग को परिवर्तन करना संभव है।

एम.एस. एक्सेल शॉर्टकट की (MS Excel Shortcut Keys)

कार्य	शॉर्टकट की
गणित के सूत्र (Formulas)	
स्वतः योग (Apply Auto Sum)	Alt + =
वर्तमान दिनांक (Current Date)	Ctrl + ;
वर्तमान समय (Current Time)	Ctrl + :
स्पेल चेकिंग (Spelling Check)	F-7
सहायता (Help)	F-1
मैक्रोज (Macros)	Alt + F8

एम.एस. एक्सेल शॉर्टकट की (MS Excel Shortcut Keys)

कार्य (Work)	शॉर्टकट की
वर्कशीट क्रियाएँ (Document Action)	
फाइल खोलना (Open a File)	Ctrl + O
नई फाइल बनाना (New File)	Ctrl + N
सेव एज (Save As)	F-12
सेव (Save)	Ctrl + S or Shift + F-12
छापना (Print)	Ctrl + P
खोजना (Find)	Ctrl + F
बदलना (Replace)	Ctrl + H
निश्चित स्थान पर जाना (Go To)	F-5
सेल चयन (Selecting Cells)	
चयनित सेल के बाएँ समस्त सेल (All Cells Left of Current Cell)	Shift + Left arrow
चयनित सेल के दाएँ समस्त सेल (All Cells Right of Current Cell)	Shift + Right arrow
पूरा कॉलम (Entire Column)	Ctrl + Spacebar
पूरा रो (Entire Row)	Shift + Spacebar
पूरा वर्कशीट (Entire Worksheet)	Ctrl + A
कर्सर गतिविधि (Cursor Movement)	
एक सेल ऊपर (One Cell Up)	Up arrow
एक सेल नीचे (One Cell Down)	Down arrow
एक सेल दाएँ (One Cell Right)	Tab
एक सेल बाएँ (One Cell Left)	Shift + Tab
वर्कशीट के आरंभ में जाना (Top of Worksheet)	Shift + Home
वर्कशीट के अंत में जाना (End of Worksheet)	Ctrl + End
रो के अंत में जाना (Got to end of Row)	Home
कॉलम के अंत में जाना (Got to end Coloumn)	Ctrl + Left arrow
अगले वर्कशीट में जाना (Got to Next Worksheet)	Ctrl + Page Down
टेक्स्ट स्टाइल (Text Style)	
मोटा (Bold)	Ctrl + B
तिरछा (Italic)	Ctrl + I
रेखांकित (Underline)	Ctrl + U
मध्यरेखित (Strike Through)	Ctrl + 5
फॉर्मेटिंग (Formatting)	
क्रियाशील सेल का संपादन (Edit Active Cell)	F-2
करंसी (Currency)	Shift + Ctrl + \$
दशमलव के बिना प्रतिशत (Formate as Precent with no Decimal Places)	Shift + Ctrl + %
कॉपी (Copy)	Ctrl + C
काटना (Cut)	Ctrl + X
चिपकाना (Paste)	Ctrl + V
कार्य वापस (Undo)	Ctrl + Z
कार्य पुनः (Redo)	Ctrl + Y
फॉर्मेट सेल डायलॉग बॉक्स	Ctrl + I

File Extension Name

Data Files :	Web Files :
.csv Comma Separated Values file	.css Cascading Style Sheet
.dat Data File	.html Hypertext Markup Language File
.efx eFax Document	.js JavaScript File
.epub Open eBook File	.jsp Java Server Page
.pps PowerPoint Slid Show	.php Hypertext Preprocessor File
.ppt PowerPoint Presentation	.rss Rich Site Summery
.pptx PowerPoint Open XML Presentation	.xhtml Extensible Hypertext Markup
.sdf Standard Data File.	
.xm XML File	
Audio File	Video Files :
.aif Audio Interchange File Formate	.3g2 3GPP2 Multimedia File
.iff Interchange File Formate	.3gp 3GPP Multimedia File
.m3u Media Playlist File	.asf Adavnced Systems Formate File
.m4a MPEG-4 Audio File	.asx Microsoft ASF Redirector File
.mid MIDI File	.avi Audio Video Interleave File
.mp3 MP3 Audio File	.flv Flash Video file
.mpa MPEG-2 Audio File	.mov Apple Quicktime Movie
.ra Real Audio File	.mp4 MPEG-4 Video File
.wav WAVE audio File	.mpg MPEG Video File
.wma Windows Media Audio File	.rm Real Media File
	.srt SubRip Subtitle File
	.swf Shockwave Flash Movie
	.vob DVD Video Object file
	.wmv Windows Media Video file
Font Files :	Compressed Files
.fnt Window Font File	.7z 7-Dip Compressed File
.fon Generic Font File	.rar Winrar Compressed Archive
.otf OpenType Font	.rpm Red Hat Package Manager File
.ttf TrueType Font	.zip Zipped File
Backup File	
.bak Backup File	.tmp Temporary File

प्रोटोकॉल (Protocol)

यह एक ऐसी मानक और औपचारिक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कम्प्यूटरों तथा संजालों (नेटवर्क) में अंकीय संचार किया जाता है।

ब्राउजर (Browser)

यह एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जिसकी सहायता से यूजर सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट में प्रवेश करता है।

वेबसर्वर

यह प्रोग्राम वेब ब्राउजर के द्वारा संसाधनों को प्राप्त करने के लिए यूजर द्वारा दिए गये अनुरोध को पूरा करता है। वेब सर्वर द्वारा वेब ब्राउजर में उपस्थित किसी प्रोग्राम को क्रियान्वित किया जा सकता है।

नेटवर्क

विभिन्न कम्प्यूटरों को एक साथ जोड़कर बनाये गये संजाल को नेटवर्क कहते हैं।

ऑन लाइन

जब यूजर इंटरनेट पर जानकारी तथा सेवाओं का अध्ययन करता है। तब कहा जाता है कि वह यूजर ऑन लाइन है।

होम पेज

यह किसी भी साइट का प्रारम्भिक प्रदर्शित होने वाला पेज होता है। जिसमें सूचनाएँ हाइपर लिंक द्वारा जुड़ी रहती हैं।

ऑफ लाइन

जब यूजर इंटरनेट में उपस्थित सूचनाओं को अपने-अपने कम्प्यूटर में संग्रहीत करके इंटरनेट से सम्पर्क काट देता है। तत्पश्चात् भी वह सूचनाओं का अध्ययन करता रहता है।

हाइपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज

इसका संक्षिप्त रूप HTML है। जिसका प्रयोग वेब पेज बनाने के लिए किया जाता प्रारम्भ में वेब-डिजाइनिंग HTML के द्वारा की जाती थी। HTML एक प्रकार के एनकोडिंग स्कीम की तरह कार्य करता है। जिसका प्रयोग दस्तावेज तैयार करने के लिए किया जाता है।

हाइपर टेक्स्ट ट्रांसपर प्रोटोकॉल

इसका संक्षिप्त रूप HTTP है। इसका प्रयोग HTML में संग्रहीत दस्तावेजों तथा दूसरे वेब संसाधनों को स्थानान्तरित करने के लिए किया जाता है।

टी.सी.पी./आई.पी. (TCP/IP)

इसका पूरा नाम (Transmission Control Protocol/Internet Protocol) है। इसका प्रयोग सूचनाओं के आदान-प्रदान करने के लिए किया जाता है। ये ऐसे प्रोटोकॉल हैं जिनके माध्यम से असंख्या कम्प्यूटरों के मध्य सम्पर्क स्थापित होता है।

यूनिफार्म रिसोर्स लोकेटर

इसका संक्षिप्त रूप URL है। इसका प्रयोग वेब पर किसी विशेष सूचना को संचालित करने के लिए किया जाता है। क्रम में एक विशेष प्रकार का एड्रेस कोड कहते हैं जैसे http://www.gmail.com/mail इसमें gmail इसका एड्रेस कोड कहलाता है।

वेब पेज

होम पेज पर बने हाइपर लिंक को क्लिक करने पर जो पेज हमारे प्रस्तुत होता है। उसे वेब पेज कहते हैं। वेब पेज में भी सूचनाओं की हाईलाइट करने के लिए हाइपर लिंक का प्रयोग किया जाता है।

HTML (Hyper Text Markup Language)

इसका प्रयोग वेब पेज बनाने में किया जाता है। इसकी सहायता से वेब ब्राउजर दस्तावेज को दर्शाता है।

HTML (Hyper Text Markup Language) Web page की मूल भाषा।

Internet पर आज जितनी भी websites हैं, वे सभी web site HTML Pages का Collection मात्र हैं, जिनमें HTML Elements का प्रयोग किया जाता है।

HTML के इन Element को ही Markup भी कहते हैं क्योंकि ये Elements web Page के विभिन्न प्रकार के Content को भी विभिन्न तरीकों से Web Browser में Render होने के लिए Mark करते हैं और Web Browser को इस बात का Indication करते हैं web Broser में किस Content को किस जगह पर और किस तरह से Render करता है।

ये एक Markup Language है जो कि पूरी तरह से Content या Text के Organization से संबंधित है।

वेब साइट

वेब पेजों के समूह को वेबसाइट कहा जाता है जिसमें चित्रों, ध्वनि, टेक्स्ट इत्यादि का समावेश होता है। इसमें किसी भी महत्वपूर्ण तथ्य की जानकारी प्राप्त करने के लिए केवल तथ्य का ही नाम लिखा जाता है। और यूजर के समक्ष उसे तथ्य से सम्बन्धित जानकारियाँ प्रस्तुत हो जाती हैं।

हाइपर लिंक

वेब पेज में उपस्थित वह विशेष शब्द या चित्र, जिस पर क्लिक करने पर उस शब्द या चित्र सम्बन्धित सूचनाएँ एक अलग वेब पेज पर आ जाती हैं। उसे वेब पेज का हाइपर लिंक कहा जाता है। अर्थात् एक वेब पेज पर किसी अन्य वेब पेज को समाहित करना, हाइपर लिंक कहलाता है।

डाउनलोड

इंटरनेट या किसी अन्य कम्प्यूटर से प्राप्त सूचनाओं को अपने कम्प्यूटरों में संग्रहीत करने की क्रिया को डाउनलोड कहते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हर रोज करोड़ों मेगाबाइट की सूचनाएँ डाउनलोड की जाती हैं।

अप-लोड

अपने कम्प्यूटर से किसी भी अन्य कम्प्यूटर में सूचनाओं को भोजना अप-लोड करना कहलाता है। उदाहरण के लिए जब आप अपने मित्र या रिश्तेदार को कोई सूचना के लिए ई-मेल करते हैं या किसी कम्पनी में बायोडाटा भेजते हैं तो उसे अप-लोड करना कहते हैं।

सर्वर (Server)

वह कम्प्यूटर जो इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों अर्थात् यूजर को सूचनाएँ प्रदान करने की क्षमता रखता है। सर्वर कहलाता है।

सर्फिंग (Surfing)

इंटरनेट के नेटवर्कों में महत्वपूर्ण सूचनाओं को खोजना विभिन्न साइटों पर भ्रमण करना सर्फिंग कहलाता है।

नेटवर्क इंटरफेस कार्ड

यह एक हार्डवेयर डिवाइस है जो कम्प्यूटर को नेटवर्क से जोड़कर डाटा का आदान-प्रदान संभव बनाता है।

वायरलेस लोकल लूप (WLL)

यह एक स्थानीय बेतार तकनीक है जिसमें ध्वनि के साथ इंटरनेट तथा तीव्र गति से डाटा का आदान-प्रदान संभव होता है।

वाई-फाई (WIFI- Wireless Fidelity)

यह विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों के बीच बिना तार के संपर्क स्थापित करने की व्यवस्था है जिससे डाटा का आदान-प्रदान संभव हो सके। इसके द्वारा दूर मोबाइल या कम्प्यूटर को नेटवर्क सीमा के भीतर इंटरनेट से जोड़ा जा सकता है।

वाई मैक्स (Wi Max-World Interoperability for Microwave Access)

यह लंबी दूरी तक माइक्रोवेव लिंक के जरिये डाटा संचरण संभव बनाता है। यह ब्रॉडबैंड में इंटरनेट तथा अन्य सुविधाएँ प्रदान करता है। यह 3.3 से 3.4 GHz के बीच कार्य करता है।

**Dynamic IP Address**

हमारे Network द्वारा हमारे किसी Device को Provide किया गया ये IP Address Number तभी तक हमारे डिवाइस को Refer करता है, जब तक हम नेट से कनेक्ट रहते हैं। जैसे ही हम Disconnect होते हैं हमें Allot किया गया IP Number किसी अन्य डिवाइस को Provide किया जा सकता है।

गेटवे (Gateway)

इंटरनेट से कई नेटवर्क आपस से जुड़े होते हैं। गेटवे उस कम्प्यूटर को कहते हैं, जो दो भिन्न नेटवर्कों से जुड़े कम्प्यूटर से जुड़ा रहता है।

ISDN (Integrated Service Digital Network)

यह अंकीय संजाल की एकीकृत सेवा है जिसमें एक ही रास्ते से ध्वनि, दृश्य और अंकीय या लिपिबद्ध सूचनाओं को सम्प्रेषित करने की क्षमता होती है। इसमें डाटा, वीडियो और ध्वनि का एक साथ प्रसारण संभव है। ISDN के अंतर्गत डिजिटल सूचना को सामान्य टेलीफोन नेटवर्क पर 128 केबीपीएस की रफ्तार से प्रेषित किया जा सकता है।

ब्लॉग (Blog)

यह web log का संक्षिप्त रूप है। यह इंटरनेट पर एक प्रकार की वेबसाइट है जिस पर समय-समय पर टेक्स्ट, चित्र या ध्वनि द्वारा अपने अनुभव व विचार डाले जाते हैं। ब्लॉग सार्वजनिक भी हो सकते हैं व व्यक्तिगत भी। 1999 में आधिकारिक रूप से ब्लॉग की शुरुआत पीटर मर्हॉल्ज ने की।

फ्लेम (Flame)

इंटरनेट पर प्रेषित या लिखित अपशब्द।

डिजिटल सब्सक्राइबर लाइन**(DSL- Digital Subscriber Line)**

इसके अन्तर्गत कम्प्यूटर को टेलीफोन के तारों के तार द्वारा टेलीफोन एक्सचेंज से जोड़ दिया जाता है और इसके साथ डी.सी.एल. मॉडेम से जोड़ने से कम्प्यूटर पर चौबीसों घंटे इंटरनेट सुविधा हासिल की जा सकती है।

पॉप अप (Pop Up)

यह इंटरनेट के प्रयोग के समय स्वयं खुलने वाला विन्डो है जिसमें किसी विषय विशेष पर सूचना रहती है।

क्रैकर (Cracker)

हंसी-मजाक या मनोरंजन के लिए इंटरनेट पर जुड़े विभिन्न कम्प्यूटरों से छेड़छाड़ करने वाले।

Electronic Commerce

ऐसे सभी वाणिज्यिक कार्य जो कि इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम अर्थात् कम्प्यूटर के द्वारा पूर्ण किए जाते हैं। हम इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि इंटरनेट के माध्यम से व्यापार करना ही ई-कॉमर्स कहलाता है।

Types of E-Commerce

इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स के तीन मूल प्रकार हैं-

बिजनेस टू कन्स्यूमर (B2C)

छोटे कॉर्पोरेशन तथा आरम्भिक व्यापारियों के द्वारा इसका उपयोग किया जाता है।

कन्स्यूमर टू कन्स्यूमर (C2C)

वस्तुएँ बेचने के लिए विभिन्न व्यक्तियों को शामिल करता है। यह अक्सर क्लासीफाइड विज्ञापनों या किसी नीलामी के एक इलेक्ट्रॉनिक रूप में नजर आता है।

बिजनेस टू बिजनेस (B2B)

व्यापार में दो व्यापारियों का आपस में उत्पादन और सेवाओं की बिक्री होती है। यह विशेष रूप से उत्पादक वितरक के संबंध है।

E-Banking (ई-बैंकिंग)

Electronic Banking, Internet Banking, Virtual Banking के नाम से भी जाना जाता है। इसे Online Banking भी कहा जाता है।

Electronic Payment System

इंटरनेट पर किया गया भुगतान Electronic Payment कहलाता है तथा इस विधि को Electronic Payment System कहा जाता है। भुगतान क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड स्मार्ट कार्ड आदि माध्यमों से किया जाता है।

क्रेडिट कार्ड एवं स्मार्ट कार्ड-इंटरनेट पर ऑनलाइन शॉपिंग करने के लिए प्लास्टिक मनी अर्थात् क्रेडिट कार्ड एवं स्मार्ट कार्डों का प्रयोग किया जाता है।

Important terms related to E-Banking**NEFT**

National Electronic Fund Transfer :- यह राष्ट्रीय स्तर पर एक Account से दूसरे के Account में Fund Transfer करने के लिए किया जाता है।

RTGS (Real Time Gross Settlement) :

यह Fund के वास्तविक आधिकारिक ऑर्डर के आधार पर Transfer होता है। Application को उसी समय Process किया जाता है जब Transaction की जाती है। यह जल्दी या Fast Fund Transfer के लिए उपयोग में लिया जाता है।

Mobile Banking

आजकल प्रत्येक बैंक द्वारा अपनी Smart Phone Application सुविधा दी गई है जिसमें Application की सहायता से Mobile Phone से लेन देन किया सकता है।

Online Banking Password

प्रत्येक Bank द्वारा Passwaord दिया जाता है जिसे Web ID के साथ लिखने के लिए काम में लिया जाता है।

Transaction Password

यह Password add किए गए Account में Balance Transfer कर सकते हैं जो आपके Bank के साथ Add किये गए हैं।

One time password (OTP)

यह Online Banking में Fund Transfer करने हेतु उपयोग में लिया जाता है। इसमें User ने Regular Mobile Number पर एक Number आता है जो उस लेन-देन को पूरा करने के लिए डालना होता है।

एप्पल का सफर

दुनिया की सबसे नवाचारी कंपनी एप्पल हर साल सितंबर में भविष्य को आकार देने वाले अपने उत्पाद लॉन्च करती है और पुराने उत्पादों को और आधुनिक बनाती है। क्या है एप्पल की कहानी और उसका अब तक का सफर। एक नजर...

1977-1993

एप्पल टू सबसे पॉपुलर पर्सनल कम्प्यूटर्स में से एक था और कंपनी का वह शुरुआती प्रोडक्ट जिसने लोगों के घरों में अपनी जगह बनाई।



1984

पहला कॉमर्शियल कम्प्यूटर सफलतापूर्वक लॉन्च। ग्राफिक यूजर इंटरफेस वाले इस मैकिंटोश में कॉमर्शियल कम्प्यूटर को सामान्य लोगों तक पहुंचा दिया।



1993

बाजार में पहला ऐसा डिजिटल उत्पाद आया जिसे कायदे से पर्सनल डिजिटल असिस्टेंट का नाम दिया जा सकता था। न्यूटन टच स्क्रीन के साथ-साथ हैंडराइटिंग भी पहचानता था। हालांकि यह बहुत सफल नहीं रहा।



1998

आईमैक सीरीज बड़ी सहजता और प्रवाह से चलने वाली शानदार मशीन थी, जिसका रंग और डिजाइन भी बहुत रोचक था।



2001

आईपॉड पर्सनल म्यूजिक प्लेयर था, जिसने प्लेस्टिक के विचार को खूब पॉपुलर बनाया। इसमें अपनी पसंद के गाने चुनना और बजाना आसान था। यह डिजिटल क्रांति की दिशा में पहला बड़ा कदम था।



2003

म्यूजिक सॉफ्टवेयर आई ट्यूंस बेहतरीन यूजर इंटरफेस और इस्तेमाल की सहजता के कारण काफी प्रसिद्ध हुआ।

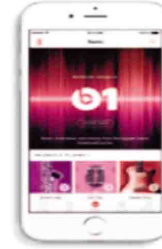


2006

एप्पल टीवी (पहली पीढ़ी) उतारा गया, यह बताते हुए कि इस पर काम अभी जारी रहेगा। इसे आईटीवी भी कहा जाता था।

2016

आईफोन 7 और आईफोन 7 प्लस लॉन्च हुआ। यह जल प्रतिरोधक है यानी पानी में भीगने और डूबने पर खराब नहीं होते। इसमें स्टीरियो स्पीकर और वायरलेस हेडफोन्स हैं, जिसे एयरपॉड कहते हैं। एप्पल वॉच सीरीज 2 भी लॉन्च हुई है।



2015

एप्पल पेंसिल लॉन्च हुई। यह पहली डिजिटल पेंसिल थी, जिससे लिखाई और रेखांकन, दोनों मुमकिन थे। एहसास बिल्कुल कागज पर कलम चलाने जैसा ही था। इसी साल एप्पल म्यूजिक भी लॉन्च हुआ, यह स्पॉटिफाई की तरह एक ऑन डिमांड म्यूजिक सेवा थी।



2013

आईपैड के बाद एप्पल का पहला ओरिजनल प्राइवट आइवॉच स्वास्थ्य, फिटनेस और मेडिकल रिसर्च की दिशा में एक बेहतरीन उपयोगी और निर्णायक उत्पाद साबित हुआ।



2013

आइफोन 5एस के साथ एप्पल टच आईडी लेकर आया। यह बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी थी। यह पहली बार था जब किसी उपगोत्र उत्पाद में इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग हुआ था।



2010

एप्पल के टैबलेट आइपैड ने डिजिटल उत्पादों की दुनिया में एक नई श्रेणी खड़ी कर दी। यह विभिन्न एप्स और विशेष कंटेंट के जरिए एप्पल उपगोत्रों को आपस में दिलचस्प ढंग से जोड़ रहा था।



2007

आइफोन की पहली पीढ़ी लॉन्च हुई। इसमें इंटरनेट ब्राउजर, म्यूजिक और वीडियो प्लेयर के साथ-साथ 2 मेगापिक्सल का कैमरा भी था। अपने बेहतरीन लुक और इस्तेमाल की सहजता के कारण आइफोन बाजार में काफी हिट रहा।



2008

दुनिया को मिला एकदम छोटा, पतला और हल्का मैकबुक एयर, इसमें पूरा की-बोर्ड और लैपटॉप के सारे फीचर्स थे। हल्का होने के कारण इसे साथ रखना बहुत आसान था।



- कम्प्यूटर सिस्टम में शामिल है
- **हाईवेयर, साफ्टवेयर, पेरिफेरल डिवाइस**
- शब्द का अर्थ कम्प्यूटर के ऐसे किसी घटक से है, जो कार्य करने के लिए आवश्यक होता है
- **रिसोर्स**
- कम्प्यूटर पर जानकारी के रूप में स्टोर की जाती है
- **डिजिटल डाटा**
- कम्प्यूटर का प्रकार, प्रोसेसर और ओपरेटिंग प्रणाली उसके को परिभाषित करती है
- **प्लेटफॉर्म**
- पर्सनल कम्प्यूटर की कम्प्यूटिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है
- **व्यक्ति**
- पहले से चल रहे कम्प्यूटर को पुनः चालू करने को कहते हैं
- **वार्म बूटिंग**
- एक बड़ा और महंगा कम्प्यूटर है जिसमें एक साथ सैकड़ों या हजारों प्रयोक्ताओं के लिए डाटा प्रोसेस करने का क्षमता होता है।
- **मेनफ्रेम कम्प्यूटर**
- कौन सी प्रक्रिया यह सुनिश्चित के लिए जांच करती है कि कम्प्यूटर ऑपरेट कर रहे है और उचित ढंग से जुड़े है
- **बूटिंग**
- जो आसानी से इन्स्ट्रेशन समझ लेता है उसे कहते है।
- **यूजर फ्रेंडली**
- कम्प्यूटर से संदर्भ में A.L.U. का तात्पर्य है।
- **अरिथ्मेटिक लॉजिक यूनिट**
- किसी पीढ़ी के कम्प्यूटरों का मुख्य पुर्जा है।
- **माइक्रो प्रोसेसर**
- वाल्व लगे कम्प्यूटर किसी पीढ़ी के है।
- **पहली**
- इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर का आविष्कार किसने किया।
- **मोचले एवं एकर्ट**
- आधुनिक कम्प्यूटर में प्रयोग किए जाते है
- **VLSI**
- माइक्रो कम्प्यूटर को कहते है
- **कम्प्यूटर ऑन ए चिप**
- इटीग्रेड सर्किट किससे बनायी जाती है।
- **सिलिकॉन**
- ENIAC का पूरा नाम क्या है
- **इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिक इंटिग्रेटर एंड कैल्कुलेटर**
- प्रथम पीढ़ी कम्प्यूटर था
- **Electro Mechanical**
- एनालॉग कम्प्यूटर है
- **निम्नस्तर पर सम्प्रेषित करना**
- प्रथम इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर है
- **Mark 1**
- विश्व का सबसे पहला सुपर कम्प्यूटर बना था
- **1979**
- व्यक्तिगत तौर पर किस कम्प्यूटर का प्रयोग किया गया।
- **माइक्रो कम्प्यूटर**
- भारत मे निर्मित प्रथम कम्प्यूटर का क्या नाम है
- **सिद्धार्थ**
- सबसे पुराने आंकड़े गिनने वाली मशीन है - **एबेकस**
- पॉटेबल कम्प्यूटर कौन-सा है जिसे आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है
- **लैपटॉप**
- द्वितीय पीढ़ी के कम्प्यूटर में प्रयोग हुआ
- **जिसमें ट्रांजिस्टर का प्रयोग हो**
- पहली एंडिंग मशीन जिसमें जोड़ हो सकता था
- **पास्कल**
- सबसे पहली कैल्कुलेटिंग डिवाइस है
- **एबेकस**
- कम्प्यूटर की बुनियादी संरचना का विकास किया था।
- **चार्ल्स बैबेज**
- सामान्य रूप से प्रयुक्त किया जाने वाला सुपर कम्प्यूटर है
- **डिजिटल कम्प्यूटर**
- CRAY क्या है
- **सुपर कम्प्यूटर**
- पंचम-पीढ़ी के कम्प्यूटर की प्रमुख विशेषता निम्न मे से कौन-सी होगी
- **घर-घर उपयोग**
- कम्प्यूटर के विकास मे सर्वाधिक योगदान किसका है
- **जॉन वॉन-न्यूमैन**
- प्रथम अंकीय कम्प्यूटर के ब्लू-प्रिंट के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
- **चार्ल्स बैबेज**
- सर्वप्रथम आधुनिक कम्प्यूटर की खोज कब हुई
- **1946**
- इन्टीग्रेटड सर्किट चिप का विकास किसने किया
- **जे.एस किल्बी ने**
- प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटर में दोष था
- **बड़ा आकार**
- तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटर में मुख्य घटक है
- **इण्टिग्रेटेड सर्किट**
- कार्य पद्धति के आकर पर कम्प्यूटर के प्रकार है
- **डिजिटल और माइक्रो**
- सुपर चिप का प्रयोग मिनी कम्प्यूटरों में लगाने से वह सुपर मिनी कम्प्यूटर बना जाता है
- **80386**
- टेलीविजन के आकार का कम्प्यूटर कौन सा होता है
- **माइक्रो**
- कम्प्यूटर के रचना शिल्प में कौन-सी विशेषताएं नहीं पाई जाती हैं
- **यह कम गति एवं अशुद्धता से काम करता है**
- कम्प्यूटर की क्षमता है
- **सीमित**
- मनुष्य की स्मरण शक्ति कम्प्यूटर की तुलना में होती है
- **सामान्य**
- कम्प्यूटर को किस प्रकार की बुद्धि की संज्ञा दी गई है
- **कृत्रिम**
- एक माइक्रोप्रोसेसर आधारित कम्प्यूटर डिवाइस है
- **पर्सनल कम्प्यूटर**
- ऐसा कम्प्यूटर, जो एनालॉग व डिजिटल कम्प्यूटर के मिश्रण से बना हुआ है वह
- **हाईब्रिड है**
- पाँचवी पीढ़ी के कम्प्यूटर की विशेषता है
- **कृत्रिम बुद्धि**
- प्रथम कम्प्यूटर, जिसमें स्टोरेज सुविधा थी - **एसडेक**
- ऐसे कम्प्यूटर, जो पोटेंबल होते हैं और यात्रा करने वाले प्रयोक्ताओं के लिए सुविधाजनक होते हैं
- **लैपटॉप**
- कम्प्यूटर के आइ.सी. चिप के उत्पादन हेतु किसी आवश्यकता होती है
- **सिलिकॉन की**
- पीसी किस श्रेणी के कम्प्यूटर से संबंधित है - **माइक्रो**
- कम्प्यूटर के कार्य प्रणाली के मुख्य अवयव में कौन शामिल नहीं है
- **इंटरनेट**
- कम्प्यूटर का नियंत्रक भाग कहलाता है - **सी.पी.यू**
- कम्प्यूटर क्या है
- **इलेक्ट्रॉनिक मशीन**
- कम्प्यूटर की विशेषताएं या कार्य क्या नहीं है
- **डेटा आकलन**
- Gui का पूरा नाम है
- **Graphical User Interface**
- माइक्रो कम्प्यूटर की क्षमता प्रति सेंकंड होती है
- **एक लाख सक्रियाएं**
- सबसे तेज कम्प्यूटर होता है
- **सुपर कम्प्यूटर**
- पूर्व में फोटॉन के साथ कार्य करने वाले कम्प्यूटर किस युग के कम्प्यूटर थे
- **दूसरे**
- माइक्रोप्रोसेसर किस पीढ़ी का कम्प्यूटर है
- **चतुर्थ**
- पहला भारतीय कम्प्यूटर सर्वप्रथम कब कहाँ लगाया गया था - **इण्डियन सांख्यिकी संस्थान कोलकाता**
- भारतीय सुपर कम्प्यूटर परम 10000 का उदम किस सन् में हुआ
- **1998**
- सर्वाधिक शक्तिशाली कम्प्यूटर है
- **सुपर कम्प्यूटर**
- डिजिटल कम्प्यूटर किस सिद्धांत पर कार्य करता है
- **गणना**
- सुपर कम्प्यूटर अन्य कम्प्यूटरों से किस प्रकार भिन्न है
- **परिकलन क्षमता एवं चूहट स्मृति भंडार**
- आकार के आधार पर कम्प्यूटर के कौन से प्रकार नहीं है
- **ऑप्टिकल कम्प्यूटर**
- अंकीय कम्प्यूटर गणनाएं प्रति सेंकंड कर सकता है
- **करोड़ों**
- सुपर मिनी कम्प्यूटर में कितनी सक्रियाएं प्रति सेंकंड होती है
- **5 लाख**
- माइक्रो कम्प्यूटर में जो नहीं आते हैं उनका नाम है
- **एटामिक कम्प्यूटर**
- सर्वप्रथम पंच कार्ड का प्रयोग किसने किया था
- **जोसेफ मेरी**
- एकीकृत परिपथ के आविष्कार से किस पीढ़ी का जन्म हुआ
- **तृतीय पीढ़ी**
- चतुर्थ पीढ़ी का मुख्य अवयव था
- **बृहत् एकीकृत परिपथ**
- एक छोटे सिसिकॉन चिप पर ट्रांजिस्टरों और अन्य इलेक्ट्रिक उपकरणों के साथ पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक सर्किट को कहते है
- **इंटीग्रेटेड सर्किट**
- प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटर में मुख्य इलेक्ट्रॉनिक घटक है
- **बॉल**
- डाटा और प्रोग्राम में कौन अंतर करता है
- **माइक्रो प्रोसेसर**
- सिलिकॉन से बनी जिसके चारों ओर तार निकले होते हैं और बहुत पतली होती है, उसको कहते हैं
- **इंटीग्रेटेड सर्किट**
- कम्प्यूटर में प्रयोग होने वाले प्रमुख तीन पार्ट है
- **टेप, सी.पी.यू., प्रिंटर**
- कम्प्यूटर हार्डवेयर को अधिक आधुनिक बनाने को कहते है
- **अपग्रेड**
- आधुनिक डिजिटल कम्प्यूटर में किस पद्धति का उपयोग किया जाता है
- **द्विआधारी अंक पद्धति**
- भारत मे विकसित परम सुपर कम्प्यूटर का विकास किस संस्था ने किया है
- **C-DAC**
- डाटा स्टोर करने और कैल्कुलेशन करने के लिए कम्प्यूटर का उपयोग करता है
- **बाइनरी**
- आपके कम्प्यूटर को बनाने वाले फिजिकल कम्पोनेन्ट्स को कहते हैं
- **हार्डवेयर**
- जब आप कम्प्यूटर ऑन करते हैं तब बूट स्ट्रीन यह टेस्ट करता है
- **पावर-ऑन सेल्फ टेस्ट**
- कम्प्यूटर द्वारा किया गया बुनियादी कार्य है
- **अंकिक कार्य, तार्किक कार्य, डेटा संग्रहण**
- डेस्कटॉप कम्प्यूटर को कहते हैं
- **पीसी**
- कौन-सा कम्प्यूटर का बुनियादी काम नहीं है
- **कॉपी टेक्स्ट**
- इनपुट, आउटपुट और प्रोसेसिंग डिवाइस का एक साथ समूह बना दिया जाए तो वह निम्न को निरूपित करता है।
- **कम्प्यूटर सिस्टम**
- पंच कार्ड को सबसे पहले पेश किया
- **हरमन होलेरिथ**
- कम्प्यूटर की भौतिक बनावट कहलाती है - **हार्डवेयर**
- एप्पल माइक्रो कम्प्यूटर का विकास में हुआ
- **1977**
- कीबोर्ड पर 0-9 लेबल वाली की को कहते है
- **न्यूमैरिक कीज**
- कम्प्यूटर के मुख्य सिस्टम बोर्ड को कहते है
- **मदरबोर्ड**
- कम्प्यूटर के अनवरत विद्युत आपूर्ति को सक्षित कहते है
- **यू.पी.एस**
- भाषा जिसे कम्प्यूटर समझता है एवं निष्पादित करता है कहलाती है
- **गुप्त प्रच्छल भाषा**
- इसे जब आप सेव करते हो तो कम्प्यूटर बंद करने पर आपका डाटा यथावत् रहेगा
- **सैकंडरी स्टोरेज डिवाइस**
- परम एक सुपर कम्प्यूटर है
- **भारत द्वारा निर्मित**
- गणना सुयंत्र एबेकस का आविष्कार किस देश में हुआ
- **चीन**
- चेंपियर्स बोन कौन-कौन से काम एबेकस से अधिक कर सकता है
- **जोड़/भाग**
- उस फ्रान्सीसी का क्या नाम था जिसने वस्त्र बनाने वाली मशीन के डिजाइन से पंच कार्ड मशीन बनाई
- **जोसफ जेकुआर्ड**
- वर्तमान कम्प्यूटर निम्न मे से किन पर आधारित है
- **ग्रेगेरियन कैलेण्डर पर**
- वह महिला जिसने चार्ल्स बैबेज के साथ कार्य किया जिन्हें पहला कम्प्यूटर प्रोग्रामर माना गया
- **लेडी आगस्टा**
- सुपर कम्प्यूटर में एक बेसिक साइकिल कितने समय की आती है
- **4-20 नैनी सेंकिंड**

- उस स्क्रीन को क्या कहते हैं जो कम्प्यूटर को ऑन करने पर दिखाई देती है और उसमें सभी आइकन दिखाते हैं - **डेस्कटॉप**
- बाइनरी नंबर के अंतर्गत जिस संख्या विधि पर काम किया जाता है उसे क्या कहते हैं। - **बाइनरी**
- बाइनरी प्रणाली के दो अंक कौन-कौन से होते हैं - **1 एवं 0**
- कम्प्यूटर हार्डवेयर ठीक है और सही कनेक्टेड है कौन-सी चीजें चेक करती है - **बूटिंग**
- विंडोज में कम्प्यूटर को ऑन करने पर पहली स्क्रीन को कहते हैं - **डेस्कटॉप**
- कम्प्यूटर पर काम करने के लिए मुख्यतः किसकी जरूरत पड़ती है - **सॉफ्टवेयर**
- कम्प्यूटर बूट नहीं कर सकता यदि उसमें नहीं होता - **ऑपरेटिंग प्रणाली**
- से कम्प्यूटर स्टार्ट या री-स्टार्ट होता है - **बूट**
- प्रयोग में आसान क्या होता है - **यूजर फ्रेंडली**
- जब कम्प्यूटर अचानक काम करना बंद कर दे तो क्या कहते हैं - **क्रैश**
- यूजर एक कैसी निर्धारित करता है कि कम्प्यूटर पर कौन सा प्रोग्राम उपलब्ध है - **बूटिंग प्रोसेस के दौरान इनस्टॉल प्रोग्राम देखकर**
- मनेफ्रेम या सुपर कम्प्यूटर में एकसेस के लिए यूजर्स अक्सर का उपयोग करते हैं - **टर्मिनल**
- जब सिस्टम को पावर दिया जाता है तब डाटा को बैटरी के लाइफ के साथ मैटेन करने के लिए कम्प्यूटर में क्या रहता है - **CMOS**
- तब होता है जब कम्प्यूटर ऑन किया जाता है और ऑपरेटिंग सिस्टम का लोडिंग हो रहा होता है - **ट्रैकिंग**
- जब आप पीसी बूट करते हैं तो क्या होता है - **ऑपरेटिंग सिस्टम के अंश डिस्क से मैमोरी में कॉपी होते हैं**
- पर्सनल कम्प्यूटर को क्या कहते हैं - **पीसी**
- कम्प्यूटर का प्रयोग करने का लाभ यह है कि - **कम्प्यूटर बहुत तेज होते हैं और विशाल मात्रा में डाटा स्टोर कर सकते हैं**
- आपके कम्प्यूटर का प्रत्येक भाग या तो - **हार्डवेयर होता है या सॉफ्टवेयर**
- कम्प्यूटर की लाइट जलने के बाद उसे कार्यशील बनाने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है - **बूट स्ट्रैप**
- माइक्रो कम्प्यूटर हार्डवेयर में फिजिकल इन्विमेंट की तीन बेसिक कैटेगरी होती हैं - **सिस्टम, यूनिट, मैमोरी**
- आठ-डिजिट के बाइनरी नंबर को कहते हैं - **बिट**
- कम्प्यूटर में गणना करने की पहली इकाई है - **0**
- 1.00 कस बाइनरी नंबर होता है - **001**
- क्लायंट सर्वर प्रणाली में क्लायंट कम्प्यूटरों के रूप में कौन से कम्प्यूटर होते हैं - **माइक्रोकम्प्यूटर्स**
- मैट्रिसा में कितने अंक होते हैं - **8 अंक**
- विशालतम कम्प्यूटर कितने बिट के आकार वाले शब्दों का प्रयोग करता है - **8**
- बाइनरी कोड में संख्या 7 लिखी जाती है - **111**
- स्क्रीन के बैकग्राउण्ड को किस नाम से जाना जाता है - **डेस्कटॉप**
- कम्प्यूटर का पिता कौन है - **चार्ल्स बेबेज**
- कम्प्यूटर की रचना में नामक हार्डवेयर आते हैं - **मॉनीटर, सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट, की बोर्ड, माउस, प्रिंटर और मोडस**
- ऑक्टल नंबर सिस्टम का आधार होता है - **बेस 8**
- बाइनरी नंबर का आधार होता है - **बेस 2**
- आधुनिक सुपर कम्प्यूटर की चरम गति है - **100 गीगा फ्लॉप्स**
- प्रथम यांत्रिक गणना मशीन किसने निर्मित की - **ब्लेज पास्कल**
- आईबीएम द्वारा घरेलू उपयोग हेतु पर्सनल कम्प्यूटर का निर्माण कब हुआ - **1980**
- कम्प्यूटर का वह भाग कहलाता है जो सारे फक्शन को कोऑर्डिनेट करता है - **कंट्रोल यूनिट**
- कच्चे तथ्यों को निरूपित करता है जबकि अर्थपूर्ण बनाया गया है - **डाटा, इन्फोरमेशन**
- कम्प्यूटर के ब्रेन का नाम है - **सीपीयू**
- यह घटक डाटा की इनफॉर्मेशन में प्रोसेस करता है इसमें इंटीग्रेटेड सर्किट होते हैं - **सीपीयू**
- नाम और पते जैसी मदी की मानी जाती है - **डाटा**
- कम्प्यूटर प्रोसेस का मूल लक्ष्य है डाटा को प्रवर्तित करना - **इन्फॉर्मेशन**
- सीपीयू का वह भाग जो प्रोग्राम अनुदेश और डिकोड करता है और विभिन्न प्रणाली घटकों में उसके प्रवाह को समन्वित करता है - **एएलयू**
- डेटा प्रोसेसिंग का अर्थ क्या है - **वाणिज्यिक उपयोग के लिए जानकारी तैयार करना**
- सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट में एक कम्पोजेंट के रूप में कौन सा उपयोग होता है - **अरिथ्मेटिक लॉजिक यूनिट**
- सीपीयू जिस कहा जाता है जब पीसी के बारे में बात होती है कम्प्यूटर के लिये प्रचुर मात्रा में प्रोसेसिंग करता है - **माइक्रोप्रोसेसर**
- एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो डेटा को इन्फॉर्मेशन में कनवर्ट करते हुए प्रासेस करता है - **प्रोसेसर**
- कम्प्यूटर प्रोसेस द्वारा इन्फॉर्मेशन में परिवर्तन किया जाता है - **डाटा**
- सीपीयू में कंट्रोल यूनिट का कार्य है - **सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट**
- सीपीयू में कंट्रोल यूनिट का कार्य है - **प्रोग्राम को डिकोड करना**
- सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट द्वारा डाटा जमा करने के लिए माध्यम को सीधे-सीधे नियंत्रित करना है - **स्टोरेज यूनिट**
- सीपीयू का मुख्य सर्किट बोर्ड जिसके अंतर्गत दूसरे सहायक कोड क्रियाशील होते हैं - **मदर बोर्ड**
- एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो डाटा को प्रोसेस करता है और उसे सूचना में बदलता है - **कम्प्यूटर**
- कम्प्यूटर का वह परिणाम है, जो प्रोसेस होने वाले डाटा को अस्थायी रूप से होल्ड करता है - **में जमा, घटाना, गुणा, भाग देना शामिल है**
- कम्प्यूटर की प्रोसेसिंग स्पीड पर घटाया एवं बढ़ाया जाता है - **टर्बो स्विच**
- प्रोसेसिंग कार्य किस प्रकार करना है, कम्प्यूटर को ऐसा बनाने वाले इलेक्ट्रॉनिक को कहते हैं - **प्रोग्राम्स**
- एक बॉक्स है जिसमें कम्प्यूटर सिस्टम में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग होते हैं - **सिस्टम यूनिट**
- ALU का कार्य है - **गणितीय क्रियाओं व तर्क की क्रिया को करना**
- CPU में क्या होता है - **एक कंट्रोल यूनिट और अरिथ्मेटिक कंट्रोल यूनिट**
- CPU क्या है - **चिप**
- रॉ फ्लैट्स रिप्रजेन्ट करता है जबकि अर्थपूर्ण बना हुआ डाटा है - **डाटा, इन्फोरमेशन**
- टर्मिनल जो किसी इन्फोमेशन का प्रोसेस नहीं कर सकता है उसे कहते हैं - **डम्ब टर्मिनल**
- प्रोसेस डेटा को कहते हैं - **आउटपुट**
- कम्प्यूटर के सभी भागों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है - **कंट्रोल यूनिट**
- CU का पूरा नाम - **कंट्रोल यूनिट**
- ALU ऑपरेशन करता है - **अरिथ्मेटिक**
- Data को सूचना में प्रोसेस करने के लिए आवश्यक है - **CPU**
- CPU का वह भाग जो अन्य सभी कम्प्यूटर कम्पोजेन्ट्स की गतिविधियों को कोऑर्डिनेट करता है, वह है - **कंट्रोल यूनिट**
- अनप्रोसेसड आइटम का कलेक्शन है - **इन्फॉर्मेशन**
- सीपीयू का कार्य है - **इन्फॉर्मेशन और इंस्ट्रक्शन पढ़ना, इंटरप्रीट करना और प्रोसेस करना**
- एक डिवाइस को डाटा और इन्स्ट्रक्शन लोकेट करने और उन्हें सीपीयू को उपलब्ध करने के जितना समय लगता है उसे कहते हैं - **एक्सेस टाइम**
- प्रोसेसिंग है - **में इनपुट का आउटपुट में ट्रांसफॉर्मिंग होता है**
- इनफॉर्मेशन क्रिफ्ट करने के लिए डाटा मैनिपुलेट करने को कहते हैं - **प्रोसेसिंग**
- संपूर्ण कम्प्यूटर प्रणाली के लिए संप्रेषण नियंत्रण करता है - **मदरबोर्ड**
- सीपीयू के लिए दूसरा शब्द है - **माइक्रोप्रोसेसर**
- आप जो इनफॉर्मेशन कम्प्यूटर में डालते हैं उसे कहते हैं - **डाटा**
- माइक्रोप्रोसेसर जो कम्प्यूटर का मस्तिष्क होता है उसे भी कहा जाता है - **माइक्रोचिप**
- कम्प्यूटर का यह भाग होता है जो अंकगणितीय कैल्कुलेशन कर सकता है - **प्रोसेसिंग के दौरान डाटा प्रोग्राम और प्रोसेसड इन्फॉर्मेशन अस्थायी रूप से में रखा जाता है- रैम**
- प्रथम माइक्रोप्रोसेसर था - **इंटेल 4004**
- कौन सी युक्ति प्रथम से द्वितीय जनरेशन कम्प्यूटर में परिवर्तन के लिए उत्तरदायी है - **चिप**
- विश्व में प्रथम एनालॉग कम्प्यूटर के निर्माता कौन थे - **साइबोर्ग**
- कम्प्यूटर को करने के लिए कौन सी कमांड दी जाती है - **प्रोसेसिंग के दौरान डाटा प्रोग्राम और प्रोसेसड इन्फॉर्मेशन अस्थायी रूप से में रखा जाता है- रैम**
- पैकमेन नाम प्रसिद्ध कम्प्यूटर किस काम के लिए बना था - **खेल**
- किसने प्रथम मैकेनिकल कैल्कुलेटर का निर्माण किया था - **ब्लेज पास्कल**
- वह कम्प्यूटर जिसका निर्माण प्रथम पीढ़ी कम्प्यूटर से पहले हुआ था - **अंग्रेजी भाषा सदृश उच्चस्तरीय निर्देश**
- अधिकतर कम्प्यूटर समझ सकता है - **अंग्रेजी भाषा सदृश उच्चस्तरीय निर्देश**
- कम्प्यूटर के कंपोनेंट ठीक से ऑपरेट हो रहे हैं और कनेक्टेड हैं यह सुनिश्चित करने के लिए कौन सा प्रोसेस चेक करता है - **बूटिंग**
- यूजर यह कैसे निर्धारित कर सकता है कि कम्प्यूटर पर कौन से प्रोग्राम उपलब्ध हैं- **डिस्क पर सेव की गई विद्यमान फाइलें चेक करके**
- कंस्ट्रक्शन के समय विश्व का एक सबसे तेज कम्प्यूटर हो तो वह कम्प्यूटर वर्ग में आता है - **सुपर कम्प्यूटर**
- आउटपुट क्या होता है - **वह जो प्रोसेसर प्रयोक्ता को देता है**
- कम्प्यूटर में आप जो इन्फॉर्मेशन डालते हैं उसे क्या कहते हैं - **डाटा**
- सूचना डालने के लिए आप की बोर्ड-या माउस जैसी का प्रयोग किया जाता है - **इनपुट डिवाइस**
- कम्प्यूटर द्वारा प्रोड्यूस किया गया परिणाम है - **आउटपुट**
- दो प्रकार के आउटपुट डिवाइस कौन-कौन से हैं - **मॉनीटर और प्रिंटर**
- 0 से 9 तक की क्या कहलाती है - **न्यूमेरिक की**
- कम्प्यूटर में जो भी डाटा फीड किया जाता है वह कम्प्यूटर के जिस हिस्से में दिखता है, वह क्या कहलाता है - **स्क्रीन**
- सॉफ्ट कापी एक आउट पुट है तो हार्ड कॉपी क्या है - **प्रिंटेड आउटपुट**
- आउटपुट डिवाइसों संभव बनाते हैं - **डाटा देखना या प्रिंटे करना**
- VDU का पूरा नाम है - **विजुअल डिस्प्ले यूनिट**
- कम्प्यूटर में जाने वाले डाटा को कहते हैं - **इनपुट**
- ऑपरेटर के द्वारा किये गये कार्य कम्प्यूटर के किस भाग में दिखायी जाती है - **वी.डी.यू.**
- डाटा किस रूप में हो सकता है - **अलिखित, लिखित, अश्रव्य और चाक्षुष**

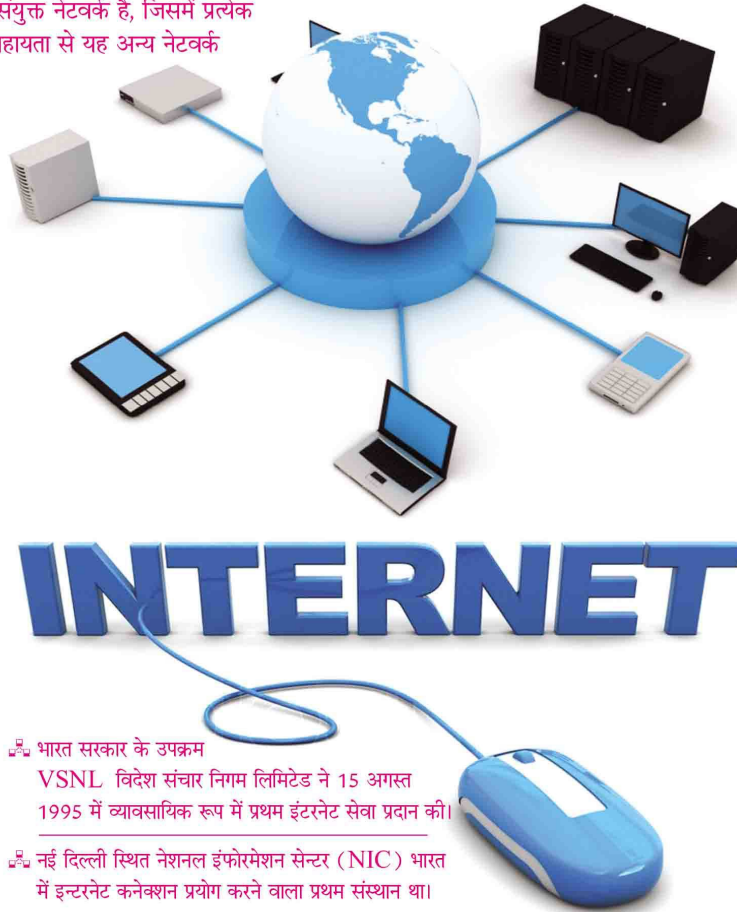
- निवेश के प्रकार में कौन शामिल नहीं है
- प्रकाश माध्यम
- BIOS का अर्थ है-बेसिक इनपुट आउटपुट सिस्टम
- किसी प्रोग्राम का चित्र के रूप में प्रदर्शन क्या कहलाता है
- फ्लोचार्ट
- कौन डिवाइस डाटा और प्रोग्राम के बीच का अंतर समझ सकता है
- माइक्रो प्रोसेसर
- में विशिष्ट नियम और शब्द होते हैं जो अल्गोरिदम के लॉजिकल स्टेप्स अभिव्यक्त करते हैं
- प्रोग्रामिंग लैंग्वेज
- इनपुट का आउटपुट में रूपांतरण द्वारा किया जाता है
- स्टोरेज
- मदरबोर्ड के कंपोनेंट्स के बीच इन्फॉर्मेशन के माध्यम से ट्रेवल करती है
- बस
- कम्प्यूटर डाटा गैदर करते हैं इसका अर्थ है कि प्रयोक्ताओं को डाटा करने देते हैं
- स्टोर
- ग्राफिकल यूजर एनवायरनमेंट में स्टैंड प्वाइंटिंग डिवाइस के रूप में कौन-सी डिवाइस प्रयोग की जाती है
- माउस
- कम्प्यूटर का Main Board कहलाता है- मदर बोर्ड
- जब फाइल में वे इंस्ट्रक्शन्स होते हैं जिन्हें कम्प्यूटर कैरी आउट कर सकता है तो उसे कहते हैं
- एक्जिक्यूटेबल
- किसी इन्फॉर्मेशन के उस पूरे सेट को जिसे हम कम्प्यूटर को देते हैं
- डाटा
- कम्प्यूटर में डाटा किसे कहते हैं
- चिह्न व संख्यात्मक सूचना को
- डाटा इनपुट करने के लिए बार-बार प्रयोग में आने वाले हार्डवेयर का भाग क्या कहलाता है- की-बोर्ड
- कम्प्यूटर में सूचना किसे कहा जाता है- कर्सर
- इनपुट का आउटपुट में रूपांतरण किया जाता है
- सीपीयू द्वारा
- इनपुट, आउटपुट और प्रोसेसिंग डिवाइसों का समूह का निरूपण करता है- कम्प्यूटर सिस्टम
- संकेतों का संग्रह जो कि कम्प्यूटर को बताता है कि किसी विशेष काम को कैसी किया जाएगा क्या कहलाता है
- प्रोग्राम
- एल्गोरिथम और फ्लोचार्ट मदद करते हैं
- प्रॉब्लम को टूटने में और हम करने में
- डाटा क्या है
- तकनीकी रूप से डाटा कच्चे तथ्य व संख्याएँ
- बूटिंग कितने प्रकार की होती है- कोल्ड व वार्म बूटिंग
- Restart का तात्पर्य है- कम्प्यूटर को पूर्ण बंद नहीं करते हुए पुन चालू करना
- पहल से चल रहे कम्प्यूटर को रिस्टार्ट करना कहलाता है
- रीबूटिंग
- से आप ऑब्जेक्ट्स में एक्सेस कर प्रोग्राम स्टार्ट कर सकते हैं
- स्टार्ट मीनू से
- बजट सृजित किये जाने हेतु इस्तेमाल किये जाने वाले सॉफ्टवेयर को कहते हैं
- स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर
- एक्सेल में किस ऑप्शन के प्रयोग से चार्ट क्रिएट किए जा सकते हैं
- चार्ट विजर्ड
- एक्सेल सेल में टेक्स्ट की बाई डिफॉल्ट करता है
- लेफ्ट अलाइन्ड
- Ms-Excel किस ग्रुप का है - Ms-Office
- वर्कशीट पर हॉरीजेंटल और वर्टिकल लाइनें होती हैं उन्हें कहते हैं
- ग्रिड लाइन्स
- एक्सेल विंडो का कौन-सा क्षेत्र मान एवं सूत्र इंटर करता है
- फॉर्मूला बार
- सॉफ्टवेयर प्रयोक्ताओं को डाटा की पंक्तियों और कॉलमों पर परिकलन करने देता है- इलैक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट
- पहली इलैक्ट्रॉनिक वर्कशीट थी -Visical
- डाटा के लॉजिकल सिक्वेन्स में अरेंज करने को कहा जाता है
- सॉर्टिंग
- सबटोटल्स कमांड के साथ प्रयुक्त मोस्ट कॉमन सबटोटल फंक्शन है जिसे प्रत्येक बार कंट्रोल फीलड के बदलने पर एक्सेल एक योग डिस्प्ले करता है
- Sum
- स्प्रेडशीट में एक नंबर होता है जिस आप कैल्कुलेशन में यूज करते हैं
- चैल्यू
- वर्कशीट में कॉलम और रो के इंटरसेक्शन को क्या कहते हैं
- एड्रेस
- स्तंभ में टेक्स्ट का जोड़ होता है
- जस्टिफाइड
- डॉक्यूमेंट में कर्सर के स्थान पर डेट व टाइम को डालने हेतु इस विकल्प पर क्लिक करने से बॉक्स प्रदर्शित होता है
- डेट व टाइम
- टेक्स्ट को लाइन के आरंभ में मूव करने के लिए कुंजी प्रेस कीजिए
- होम
- जिस पद्धति में.....एक साथ प्रयोग होते हैं उसे कहते हैं
- विडियो कॉन्फ्रेंसिंग
- इटेल द्वारा किस कम्प्यूटर पुर्जे का निर्माण किया जाता है
- माइक्रोप्रोसेसर
- फिनेकल कोर नामक बैंकिंग सॉफ्टवेयर का विकास निम्न में से किस आईटी कम्पनी ने किया- इन्फोसिस
- भारत में सबसे पहला साइबर ग्रामीण केन्द्र किस राज्य में संचालित हुआ था
- कर्नाटक
- पॉल एलन ने किस सुप्रसिद्ध कंपनी को खोलने में सहायता की
- माइक्रोसॉफ्ट
- डिजिटल इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के लगातार छोटे तथा अधिक शक्तिशाली होते जाने की प्रवृत्ति के कार्यकारियों के अधिकाधिक हो जाने को बढ़ावा मिला है
- मोबाइल
- माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के संस्थापक हैं
- पॉल एलन, बिल गेट्स
- MISD का पूर्ण नाम क्या है
- मल्टीपल इंस्ट्रक्शन सिंगल डाटा
- प्लॉप्स का पूर्ण रूप क्या है
- मल्टीपल प्वाइंट ऑपरेशन पर सैकिंग
- PAM का पूर्ण रूप है
- पल्स एम्प्लीट्यूड माड्यूलेशन
- किसी स्रोत से जानकारी लेकर और उसे अपने कम्प्यूटर में लाने को कहते हैं
- डाउनलोड
- वेब साइट डिजाइन करने वाली कंपनी को कहते हैं
- वेब डेवलपमेंट
- टेलीकम्युनिकेशन डिवाइस का एक उदाहरण है
- मॉडेम
- ऐसी विशिष्ट मदें हैं जिनका किसी दिए संदर्भ में कुछ खास अर्थ नहीं होता है
- फील्ड्स
- बार कोड एक कोड होता है जो के माध्यम मोटाई और ऊँचाई की परिदृश्यों के माध्यम से डाटा की जानकारी देता है
- ऑप्टिकल
- इमोटिकॉन का अर्थ-भावना प्रकट करने वाले चिह्न
- इमोटिकॉन का दूसरा नाम है
- स्माइली
- कम्प्यूटर अथवा डिजिटल उपकरण में स्टोर किए डाटा या अनुदेशों के नेम्ड कलेक्शन का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिट्स के संयोजन को कहा जाता है- फाइल
- कम्प्यूटर को अपने इनपुट आउटपुट तथा स्टोरेज फंक्शनों को पूरा करने के लिए नामक अतिरिक्त उपकरणों को जोरूरत होती है
- पेरिफेरल्स
- जब किसी कम्प्यूटर पर कोई प्रोग्राम रन किया जाता है तोको प्रोग्राम के अनुदेशों की श्रृंखला से गुजरना होता है
- CPU
- कॉन्फ्रेंस का तात्पर्य है- एक ही समय में एक से अधिक लोगों से बात करना
- सिस्टम में एंटर करने से पहले यह चेक करता है कि पिन कोड नंबर वैलिड है या नहीं किसका उदाहरण है
- डाटा वैलिडेशन
- किसी फाइल में किसी मद का पुरत पता लगाने की क्षमता को कहते हैं
- डायरेक्ट एक्सेस
- उनकी पहचान को गलत दिखाने के जरिए व्यक्तियों द्वारा प्रयास है ताकि आपसे गोपनीय सूचनाएँ प्राप्त की जा सके
- फिशिंग स्कैन्स
- डिस्ट्रीब्यूशन प्रोसेसिंग में सम्मिलित है- गणना की समस्याओं का हल उन्हें छोटे भागों में निकालकर कलना जिन्हें विभिन्न कम्प्यूटरों द्वारा अलग से प्रोसेस किया जाता है
- डिस्क की वस्तु जिसे विनिर्माण करते समय रिफॉर्ड किया जाता है और जिसे प्रयोक्ता द्वारा बदला या मिटाया नहीं जा सकता वह है
- केवल रीड
- किरॉस्क- एक कम्प्यूटर स्टेशन होता है जो जनता को विशिष्ट और उपयोगी सूचना और सेवाएँ उपलब्ध करता है
- वेबसाइट का स्थान
- कूकी है
- बुनियादी टंकण कुर्रिजियों के अतिरिक्त, डेस्कटॉप और नोटबुक कम्प्यूटर कीबोर्डों में, स्क्रीन आधारित इन्सर्शन प्वाइंट को दक्षता से मूव करने के लिए एक कीपैड होता है
- नंबर
- किसी नेटवर्क के विभिन्न नोडों के बीच संदेश के अंतरण और संग्रहण के लिए प्रयोग में लाई गई तकनीक को कहते हैं
- ई-मेल
- ARPA क्या है-अमेरिका रक्षा विभाग जिसने इंटरनेट की स्थापना की
- से फाइल का साइज सिंकुड जाता है जिससे इसे कम स्टोरेज स्पेस की आवश्यकता होती है- कम्प्रेसन
- पॉल एलन ने किस सुप्रसिद्ध कंपनी को खोलने में सहायता की- माइक्रोसॉफ्ट
- पासवर्ड से प्रयोक्ता
- गोपनीयता बरकरार रख सकते हैं
- Clam Win क्या है-ओपन सोर्स कार्ड एंटी वायरस
- IT का पूरा नाम क्या है-Information Technology
- खरीदारों के लिए अपने कंयूटर का प्रयोग करते हुए के माध्यम से खरीदारी करना संभव है
- ई-कॉमर्स
- आर्चिबट वाणिज्यिक ई-मेल को आमतौर पर क्या कहते हैं
- स्पैम
- स्पैम किस विषय से संबंधित शब्द है - कम्प्यूटर
- वेब द्वारा प्राप्त किए जा सकने वाले डॉक्यूमेंट को कहते हैं
- वेब पेज
- वेब पर प्रयोग होने वाली ग्राफिक के लिए बताया गया एक विशेष प्रभाव कहलाता है
- वाश आउट
- प्रॉक्सी सर्वर का प्रयोग किसलिए होता है- वेब पेजों के लिए क्लाइंट रिक्वेस्टों को प्रासेस करने के लिए
- क्लाइंट का संबंध है
- कुकीज से
- कुकीज कहाँ स्टोर होते हैं
- ब्राउजर हिस्ट्री
- जिस पोर्ट के एक समय में साथ-साथ 8 बिट ट्रांसमिट हो जाते हैं कहलाते हैं
- पैरलल पोर्ट
- जो कुछ कम्प्यूटर में टाइम, सबमिट या ट्रांसमिट किया जाता है उसे कम्प्यूटर कहते हैं
- इनपुट
- ई-कॉमर्स से कंपनियाँ
-इंटरनेट पर बिजनेस कर सकती है
- एक यूनिट नाम है, जो आप सूचना की एक फाइल को देते हैं
- फाइल नेम
- विभिन्न चोड़इयों और लंबाइयों वाले बार्स या लाइनों वाले कम्प्यूटर रीडबल कोड कहलाते हैं- बार कोड
- वे बातचीत की ध्वनि इंटरनेट पर यात्रा कर लेती है
- इंटरनेट टेलीफोनी
- दूर बैठे व्यक्ति इंटरनेट के द्वारा संपर्क करके वस्तुओं एवं सेवाओं की खीद-बिक्री तथा लेन-देन का कार्य किस तरह से करते हैं- ई-कॉमर्स के माध्यम से
- केबल के प्रयोग के बिना नेटवर्क को कनेक्ट करने वाली युक्ति को कहते हैं
-वायरलेस और का उदारहण
- फाइल को मेल बॉक्स में ऑन लाइन सेवा पर स्थानांतरण की प्रक्रिया को कहते हैं
- अपलोड
- कीवर्ड्स, सिंबल का एक सेट और स्टेटमेंट्स कंस्ट्रक्ट करने के लिए नियमों का एक सिस्टम है जिसके द्वारा मानवगण कम्प्यूटर द्वारा निष्पादित किए जाने वाले अनुदेशों का संप्रेषण कर सकते हैं
- कम्प्यूटर प्रोग्राम
- अग्रलिखित में कौन-सी सूचना प्रोद्योगिकी शब्दावली नहीं है
- प्रकाश भण्डारण
- सूचना राजपथ किस कहते हैं
- इंटरनेट को
- गोपनीय कोड जो कुछ प्रोग्रामों में प्रविष्टि प्रतिबंधित करता है- एक्सेस कोड
- शब्द का अर्थ उस डाटा स्टोरेज इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस डाटा को स्टोर और रिट्रीव कर सकती है
- स्टोरेज टेकनोलॉजी
- डाटाबेस में डायरेक्टली डाटा की एन्ट्री करने के अतिरिक्त से डाटा एन्ट्री की जा सकती है
- इनपुट फार्म
- चार्ट बनाने के लिए आप क्या करते हैं- चाट विजाईर्ड
- जिस हैंडआउट में नोट्स के लिए लाइनें बनी होती हैं उसमें स्लाइडें कैसे प्रिंट की जाती है- प्रिंट डायलॉग बॉक्स में हैंडआउट्स और प्रिंट पेज स्लाइडों की संख्या स्लेक्ट करें, फिर इन्क्लूड कमेंट पेजिस ऑप्शन स्लेक्ट करें
- Ms-Power Point में सभी Slide का एक ही प्रकार का Background देने लिए के का प्रयोग किया जाता है
- Tool,Slide layout
- पावर प्वाइंट है
- एक प्रजेन्टेशन सॉफ्टवेयर



- ▶ प्रत्येक स्लाइड पर तारीख और स्लाइड नंबर दिखाने का सबसे अच्छा तरीका कौन-सा है-**इन्स्ट चुनें, हेडर एण्ड फुटर, स्लाइड टैब क्लिक करें, इच्छित ऑप्शन चुनें, एप्लाइ टू क्लिक करें**
- ▶ यदि आप चाहते हैं कि एक स्लाइड विनिर्दिष्ट समय के बाद ऑटोमेटिकली आगे जाए तो एनिमेशन के टैब में इस स्लाइड ग्रुप के ट्रांजिशन में चेक बॉक्स में क्लिक करें - **ऑटोमेटिकली आपटर**
- ▶ स्लाइड ले आउट चुनने के लिए का प्रयोग किजिए - **लेआउट गैलरी**
- ▶ एक प्रजेन्टेशन में स्लाइड को प्रस्तुत करने के लिए प्रयुक्त विशेष इफेक्ट को कहते हैं - **ट्रांजिशन**
- ▶ एक प्रजेन्टेशन को नये फाइल नेम में कैसे सेव करते हैं- **फाइल मीनू सलेक्ट करके सेव एण्ड चूज कीजिए**
- ▶ प्रजेन्टेशन शो तैयार करने के लिए सामान्यतः कौन-सा एप्लिकेशन उपयोग किया जाता है - **पावर् प्वाइंट**
- ▶ बिलिंग अकाउंट का ट्रैक रखने के लिए किस प्रकार के सॉफ्टवेयर के प्रयोग किए जाने की सबसे ज्यादा संभावना है - **स्प्रेडशीट**
- ▶ धन का ट्रैक रखने और बजट बनाने के लिए कैल्कुलेटर की तरह काम करने वाले प्रोग्राम को कहते हैं-**स्प्रेडशीट**
- ▶ स्प्रेडशीट में प्रत्येक बॉक्स को कहते हैं -**स्प्रेडशीट**
- ▶ एक्सेल अपने डॉक्यूमेंट फाइलों के रूप में स्टोर करता है जिन्हें कहते हैं - **वर्कबुक**
- ▶ दो या दो से अधिक सेल को एक सिंगल सेल में कंवाइन करने को कहते हैं - **मर्जिंग**
- ▶ एक्सेल वर्कबुक में एक वर्कशीट से दूसरे में मूव करने के लिए क्लिक कीजिए - **शीट टैब**
- ▶ कई सारी वर्कशीट को कहते हैं - **Work Book**
- ▶ एक्टिव सेल के कन्टेन्स कहा दिखते हैं- **फॉर्मूला बार**
- ▶ स्प्रेडशीट प्रोग्राम में संबंध वर्कशीट और डॉक्यूमेंट होते हैं - **वर्कबुक**
- ▶ सेल में दर्ज किये गये अंकों और सूत्रों को कहा जाता है - **आंकिक प्रविष्टियाँ**
- ▶ संख्याओं की और सांख्यिकी की गणनाएं करने के लिए सबसे उपयुक्त सॉफ्टवेयर कौन सा होगा - **स्प्रेडशीट**
- ▶ Ms-Excel की किस सुविधा द्वारा Automatics Rules बनाई जा सकती है - **Fill Handle**
- ▶ Ms एक्सेल क्या है -**विंडो पर आधारित स्प्रेड शीट पैकेज**
- ▶ स्प्रेडशीट में डाटा कैसे ऑर्गेनाइज होता है - **रोस एण्ड कॉलम**
- ▶ एक्सल वर्कबुक संग्रह है - **रोस एण्ड कॉलम**
- ▶ यदि किसी डॉक्यूमेंट के प्रारंभ में पहले शब्द का प्रथम अक्षर विशेष प्रकार जैसे बड़ा करने के लिये प्रयोग किया जाता है - **Drop Cap**
- ▶ Ms-Excel में बनाने वाले डॉक्यूमेंट में कौन-सी Extension होती है - **.XLS**
- ▶ एक्सेल में संख्याओं के समुच्चय का हल निकालने के लिए उपयोग में लिए जाता है - **फार्मूल**
- ▶ किसी रिकार्ड का विशिष्ट फील्ड जो प्रत्येक रिकार्ड को यूनिकली आइडेंटिफाई करता है, उसे कहते हैं - **प्राइमरी फील्ड**
- ▶ टेबल में रिकॉर्ड्स की सीरीज के रूप में इलेक्ट्रॉनिकली स्टोर्ड डाटा का एक कलेक्शन है - **डाटाबेस**
- ▶ Excel में मल्टीपल कैल्कुलेशन में एक ही फार्मूलों का प्रयोग करते तो वह है - **ऐरे फार्मूला**
- ▶ Excel में निम्न में से कौन-सा डाटा मान्य नहीं है - **Cable**
- ▶ Excel की पूर वर्कशीट एक साथल स्लेक्ट की शार्टकट है - **Ctrl+F**
- ▶ Excel में मेक्रोज की शार्टकट है - **Alt+F8**
- ▶ Excel में Data फॉर्मेट लगाने की शार्टकट है - **Ctrl+Shift+#**
- ▶ Split window ऑप्शन Excel के किस में है - **Window के Split में**
- ▶ Excel का लेटेस्ट वर्जन है - **एक्सेल 2012**
- ▶ एक वर्कशीट में कितने कॉलम होते हैं - **65536**
- ▶ सबसे पुराना स्प्रेड शीट पैकेज निम्न में से है - **Visi call**
- ▶ जब आप कोई रो या कॉलम मूव करते हैं मूव सेल का टेक्स्ट - **सेल के साथ मूव होता है**
- ▶ Excel की Worksheet और Chart को Html डॉक्यूमेंट पर प्रयोग किससे करते हैं - **Internet Assistant Wizard**
- ▶ Excel में फार्मूला बार में कोई भी फार्मूला लिखने से पहले किस चिह्न का प्रयोग करते हैं - **=**
- ▶ सेल में Comments जोड़ते हैं - **Insert Comments**
- ▶ सेल में कमेंट लिखने को कहते हैं - **Call Tip**
- ▶ एक्सेल फाइल में वर्कशीट की कुल कितनी संख्या होती हैं - **15**
- ▶ एक्सेल फाइल में एक्टिव सेल के कंटेन्ट में डिस्प्ले होते हैं - **फॉर्मूला बार**
- ▶ माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल डॉक्यूमेंट में से प्रत्येक सेल से अपने एड्रेस से रेफर किया जाता है जो है - **सेल का रो और कॉलम लेवल**
- ▶ डेटाबेस में फील्ड्स, कैल्कुलेशन करने के लिय प्रयुक्त नंबर स्टोर करते हैं - **न्यूमैरिक**
- ▶ वर्कशीट कमाण्ड का प्रयोग किया जाता है - **सारी वर्कशीट को व्यवस्थित करने हेतु**
- ▶ एक ही वर्कशीट में सलेक्ट किए गए सेल में दो अन्य सेलों में फॉर्मेटिंग को जल्द से कॉपी करने का तरीका कौन-सा है - **फॉर्मेटिंग टूलबार पर फॉर्मेट पेंटर बटन**
- ▶ इमेज को दो बार क्लिक करें, फिर प्रत्येक सेल में क्लिक करें जहाँ फॉर्मेटिंग करना चाहते हैं सुपर कम्प्यूटरों के साथ किस प्रकार प्रोसेसिंग स्पीड मेजरमेंट जुड़ा होता है - **फ्लॉप्स**
- ▶ Excel की Work sheet में कॉलम व रो के बीच के एक खाने को कहते हैं - **Cell**
- ▶ Excel Work sheet का कुल साइज होता है - **लो केवल**
- ▶ कंट्रोल के साथ F कुंजी दबाने से Ms-Excel, Ms-Power Point दोनों में कौन सा Option आता है - **Find Menu**
- ▶ एक्सेल में F11 कुंजी से क्या होता है - **चार्ट मीनू खुलता है**
- ▶ पिवट टेबल किससे संबंधित है - **एक्सेल**
- ▶ माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एक्सेल डॉक्यूमेंट में सेल एड्रेस में क्या आता है- **पहले कॉलम फिर रो का नाम**
- ▶ नंबरों के सेट में सबसे बड़े वैल्यू का गणना कौन-सा फंक्शन करता है - **मैक्स**
- ▶ एक्सेल में फाइल खोलने और बंद करने के लिए किस बार का प्रयोग किया जा सकता है - **टाइटल**
- ▶ किसी डॉक्यूमेंट में पेज में नीचे जाने को कहते हैं - **स्कॉल**
- ▶ वर्ड प्रोसेसिंग प्रोग्राम में अक्षरों की अलग-अलग शैलियों को क्या कहते हैं - **फॉन्ट**
- ▶ नए नाम सहित नए लोकेशन पर किसी विद्यमान फाइल को सेव करने के लिए आपको कमांड का प्रयोग करना चाहिए - **सेव एज**
- ▶ सेव डायमेंट को कहते हैं - **फाइल**
- ▶ टेक्स्ट, स्टाइल, एलानमेंट और साइज को चेंज करने के बटन निम्न में से कौन-सा डिस्प्ले करता है - **फॉर्मेटिंग टूलबार**
- ▶ कॉपी कमाण्ड को सेव करता है - **क्लिपबोर्ड**
- ▶ डॉक्यूमेंटो के अपिअरन्स को चेंज करने से संबंध वर्ड प्रोसेसिंग टास्क को कहते हैं - **फॉर्मेटिंग**
- ▶ वर्ड डॉक्यूमेंट में किसी भी शब्द को यदि किसी दूसरे शब्दों से बदलना हो तो निम्न में से कौन-से कमाण्ड का प्रयोग किया जाता है - **फाइंड और रिप्लेस**
- ▶ यदि किसी डॉक्यूमेंट के प्रारंभ में पहले शब्द का प्रथम अक्षर विशेष प्रकार से जैसे बड़ा करके लिखना चाहते हैं जो नीचे की लाइनों तक पहुँचना हो तो इसे कहते हैं - **ड्रॉप कैप**
- ▶ डॉक्यूमेंट के प्रत्येक पेज में सबसे ऊपर प्रिंट होने वाली को कहते हैं - **हेडर**
- ▶ टेक्स्ट के सामने गोला, तीर स्टार आदि चिह्न बने होते हैं जिन्हें कहा जाता है - **बुलेट**
- ▶ वर्ड प्रोसेसड डॉक्यूमेंट क्रिएट करते समय इस चरण में यूजर स्क्रीन और प्रिन्टेड फॉर्म दोनों में पेज पर दिखते वर्ड्स चेंज करता है - **प्रिंट प्रिव्यू**
- ▶ पेज पर शब्द किस रूप में दिखेंगे उसके लिए क्या शब्द है - **टेक्स्ट फॉर्मेटिंग**
- ▶ किसी विद्यमान डॉक्यूमेंट को किसी अन्य नाम से सेव करने के लिए आप क्या करेंगे - **सेव एज कमांड का प्रयोग करें**
- ▶ किसी भी समय आप कितने विभिन्न दस्तावेज खुले रख सकते हैं- **आपके कम्प्यूटर की मैमोरी में रह जाए इतने सारे**
- ▶ वर्ड में कॉलमवार डाटा के सृजन हेतु आपको की जरूरत है- **टैब सेट करें या टेबल मीनू का प्रयोग करें**
- ▶ वर्ड में से किसी डॉक्यूमेंट में किसी खास शब्द या शब्द को ढूँढने का सबसे तेज और आसान तरीका है कमांड का इस्तेमाल करना - **फाइंड**
- ▶ पेज पर शब्द कैसे आयेगे इसके लिए लिए शब्द है - **टेक्स्ट फॉर्मेटिंग सिस्टम**
- ▶ अपने लिखे किसी रिपोर्ट में से एक पैराग्राफ निकालने के लिए आप निम्न में से क्या कर सकते हैं - **डिलीट और एडिट**
- ▶ यदि आप एक शब्द टाइप करते हैं जो वर्ड डिक्शनरी में नहीं है तो उस शब्द के नीचे एक वेबी अंडरलाइन दिखती है - **लाल**
- ▶ एक टेक्स्ट है जिस आप पेज के बॉटम में प्रिंट करना चाहते हैं - **हेडर**
- ▶ पूर्व प्रयोग किए कमाण्ड के प्रभाव को किस कमाण्ड के द्वारा समाप्त करते हैं - **अनडू**
- ▶ सेविंग का प्रोसेस है - **किसी डॉक्यूमेंट को मैमोरी से स्टोरेज मीडियम में कॉपी करना**
- ▶ किसी डॉक्यूमेंट को एडिट करने का अर्थ है इसके मौजूद कंटेन्ट में परिवर्तन करना - **एडिट**
- ▶ वर्ड में टेक्स्ट की फॉर्मेटिंग करते समय किस युधि में काम किया जाता है - **टेबल्स, पैराग्राफ और इन्डेक्सेज**
- ▶ जब कम्प्यूटर प्रयोक्ता किसी डॉक्यूमेंट को एडिट करते हैं तो वे इसकी एपीयर्स को बदल देते हैं - **एडिट**
- ▶ आप का प्रयोग चयनित टेक्स्ट को कॉपी करने औरदस्तावेज में पेस्ट करने हेतु होता है - **CTRL+C, CTRL+V**
- ▶ वर्ड में पेज ब्रेक कैसे किया जाता सकता है - **उचित स्थान पर कर्सर को रखकर कंट्रोल + एंटर को प्रेस करके**
- ▶ किसी भी वर्ड डॉक्यूमेंट का बैकग्राउंड - **ऑप्शन मीनू में प्रीसेट किए रंग में होता है**
- ▶ किसका संबंध टेक्स्ट की फॉर्मेटिंग से नहीं है- **सर्चिंग**
- ▶ वर्ड पोसेसड डॉक्यूमेंट क्रिएट करते समय इस चरण में यूजर स्क्रीन और प्रिन्टेड फॉर्म दोनों में पेज पर दिखते वर्ड्स चेंज करता है - **एडिटिंग टेक्स्ट**
- ▶ डॉक्यूमेंट क्रिएट करने के लिए आप फाइल मीनू पर न्यू कमांड वर्ड स्टोर पर कर सकते हैं - **न्यू**
- ▶ टेक्स्ट को.....बनाने के लिए B पर क्लिक करते हैं - **बोल्ड**
- ▶ टेक्स्ट हाइलाइट करके Edit Copy क्लिक करने पर क्या होगा- **टेक्स्ट डॉक्यूमेंट से कॉपी होकर क्लिबोर्ड पर रखा जायेगा**
- ▶ पेज प्रिव्यू मोड में- **आप केवल उसी पेज को देख सकते हैं जिस पर आप इस समय काम कर रहे हैं**
- ▶ वर्ड के उस फंक्शन को कहते हैं जो टेक्स्ट को टाइन करते ही कनेक्ट कर देता है - **ऑटो करेक्ट**
- ▶ एमएस वर्ड में बनी फाइल का एक्शन होता है - **.Doc**
- ▶ Ms-Word के किस मीनू की मदद से Font Size व Type Space बदलते हैं - **Format**
- ▶ में मैनीफाई बटन कहीं होता है - **प्रिंट प्रिव्यू टूलबार**
- ▶ यूनिट के रूप में सॉटिड और डेल्ट रिलेटेड इन्फॉर्मेशन का कलेक्शन है - **डाटा**
- ▶ बाई डिफॉल्ट डॉक्यूमेंट मोड में प्रिंट होता है - **पोर्टेड**

- वर्ड प्रोसेसिंग प्रोग्रामों से किस प्रकार की फाइल बनाई जा सकती है - डॉक्यूमेंट फाइल
- प्रयोक्ता डॉक्यूमेंट को जो नाम देता है - फाइल नेम
- सेव की गई फाइल को ढूँढ़ने और लोड करने के लिए - ओपन कमांड को सलेक्ट करें
- CTRL+V कुंजी को प्रेस करने पर क्या होता है - सलेक्ट की गई आइटम क्लिपबोर्ड से पेस्ट हो जाती है
- किसी मेल में मौजूदा तारीख एंटर करने के लिए किस प्रेस किया जाता है- किसी मेल में मौजूदा तारीख एंटर करने के लिए किस
- फाइल एक्सटेंशन किसलिए इस्तेमाल होते हैं - फाइल टाइप को आइडेंटिफाई करने के लिए
- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस यह का उदाहरण है - शक्तिज समानांतर मार्केट सॉफ्टवेयर
- एप्लिकेशन से कॉपी किया गया डाटा उदाहरण है - क्लिप बोर्ड
- लोटस में बनी फाइल को क्या कहते हैं - वर्क शीट
- विद्यमान डॉक्यूमेंट में परिवर्तन करने को डॉक्यूमेंट कहा जाता है - एडिटिंग
- Ms-Paint किस कार्य में असक्षम है - Typing
-के द्वारा टेक्स्ट को विभिन्न रंगों आकारों व प्रकारों में आकर्षक बनाया जाता है - वर्ड आर्ट
- टेक्स्ट की फॉर्मेटिंग से तात्पर्य है- लाइन स्पेसिंग, टेक्स्ट स्पेसिंग, मार्जिन चेंज
- किसकी सहायता से एनीमेटेड कैरेक्टर Ms-Word में आते हैं - ऑफिस असिस्टेंट
- डॉक्यूमेंट के बॉक्स में आने के लिए प्रेस करें - कंट्रोल कुंजी + एंड कुंजी
- यदि पहले सेव किया गया फाइल एडिट किया जाए तब- परिवर्तन को स्टोर करने हेतु फाइल फिर से सेव करना जरूरी है
- एक शब्द को हाइलाइट करने के लिए आप क्या करेंगे आप कर्सर को शब्द के बाद रखेंगे और फिर- डाउन बटन को दबाएँ रखकर माउस को ड्रैग करेंगे
- सभी डिलीटेड फाइलें में जाती है - रिसाइकिल बिन
- पले से डिजाइन किया गया डॉक्यूमेंट है जिसमें उससे मिलते हुए फॉन्ट ले-आउट और बैकग्राउंड होता है - टेम्पलेट
- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस - एक एप्लिकेशन सूट है
- जब आप पीसी पर किसी डॉक्यूमेंट पर कार्य करते हैं जब डॉक्यूमेंट अस्थायी रूप से कहाँ स्टोर किया जाता है - फ्लैश मैमोरी
- टास्कबार स्थित होती है - स्क्रीन के तल
- डाटा कम्प्यूटर में स्टोर होते हैं - फाइल
- स्क्रीन का आयताकार क्षेत्र जो प्रोग्राम डाटा या इन्फॉर्मेशन प्रदर्शित करता है - विंडो
- एप्लिकेशन से कॉपी किया गया डाटा में स्टोर किया जाता है - क्लिपबोर्ड
- बैड विद्ध की माप इकाई है - ग्राम
- किसी ऑब्जेक्ट की प्रापटीज को एक्सेस करने के लिए माउस की कौन सी तकनीक प्रयोग करनी चाहिए - राइट क्लिक
- किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए कौन-सी कुंजी के साथ कॉम्बिनेशन में प्रयुक्त करनी चाहिए -कंट्रोल
- CTRL , Alt और Shift को कुंजियों कहते हैं - मॉडिफायर
- Ctrl+Pg down key द्वारा कौन सा कार्य किया जाता है - अगले पेज के प्रारंभ में पहुँचा जाता है
- मॉनिटर अलफान्यूमेरिक अक्षरों के साथ-साथ ग्राफ्स एवं डायग्राम को भी प्रदर्शित कर सकता है - ग्राफिक डिस्प्ले यूनिट
- हाइरॉकिकल स्ट्रक्चर बनाते हुए फोल्डरों में नामक अन्य फोल्डर रह सकते हैं - सबफोल्डर्स
- SMPS का पूरा नाम क्या है - रिच मोड पावर सप्लाय
- किसी विशेष टास्क को करने के लिए अन्य के साथ कौन सी प्रयुक्त की जाती है - कंट्रोल
- इंस्ट्रक्शन के समूह जो कम्प्यूटर को निर्देशित करता है - प्रोग्राम
- नैनो किसे कहते हैं-सेकण्ड का एक अरब वाँ हिस्सा
- डायरेक्टरी के भीतर की डायरेक्टरी को कहते हैं - सब डायरेक्टरी
- उस कुंजी को क्या कहते हैं जो कम्प्यूटर की मैमोरी से सूचना और स्क्रीन करेक्टर को इरेज कर देगी - डिलीट कुंजी
- सिलेक्ट या हाइलाइट करने के लिए प्राय किसका प्रयोग किया जाता है - हार्डडिस्क
- नंबर पैड डाइरेक्शनल ऐरों के रूप में काम करे इसके लिए कंजी दबानी पड़ती है - नम लॉक
- मैमोरी डेटा रजिस्टर्ड को होल्ड करता है -Number of Transistors
- कम्प्यूटर सिस्टम को कमांड भेजने के लिए स्क्रीन पर डिस्प्ले हुए चित्रों और मनीनू का प्रयोग करता है - कमांड आधातित यूज इंटरफेस
- विन्डोज डेस्कटॉप पर द्वारा विभिन्न एप्लिकेशन और डाक्यूमेंट दर्शाए जाते हैं - आइकन
- डिस्क की मेन डायरेक्टरी को कहते हैं - रूट
- टास्कबार होता है- स्क्रीन के बॉटम पर
- सामान्यतः लोकटेड आइकन से आप रिसाइकल बिन एक्सेस करते हैं - डेस्कटॉप पर
- कम्प्यूटर स्क्रीन पर क्लिक करने वाले प्रतीक को कहते हैं - कर्सर
- एक छोटा इमेज है जो किसी प्रोग्राम, इंस्ट्रक्शन, फाइलन या किसी अन्य ऑब्जेक्ट का प्रतिनिधित्व करता है - आइकन
- शार्टकट और अन्य विशेष कार्यों के लिए की और की अन्य कीज के साथ संयोजन में प्रयोग की जाती है - कंट्रोल और आल्ट
- स्क्रीन पर की किसी आइटम को माउस के साथ प्रयोग से मूव करने के वर्णन के लिए प्रयुक्त पद है - ड्रैग एण्ड ड्रॉप
- हर एक डिस्क के लिए डायरेक्टरी अनिवार्य है - रूट
- हिडन फाइल की संख्या कहाँ से ज्ञात कहते हैं - डायरेक्टरी कमाण्ड से
- कर्सर को एक स्पेस दाईं आर सरकता है या शब्दों के बीच स्पेस डालता है - स्पेस बार
- प्रत्येक अक्षर के लिए शिफ्ट कुंजी का प्रयोग किए बिना सभी अक्षरों को कैपिटल करने के लिए किस कुंजी का प्रयोग किया जाता है - कैप्स लॉक का
- टेक्स्ट के ऊपर ऐरों का ड्रैग करते हुए शेडिंग द्वारा टेक्स्ट सिलेक्टर करने को कहते हैं - हाइलाइट
- यदि आप अपने डेस्कटॉप पर आइकन को मूव करना चाहते हैं तो इसे कहते हैं - ड्रैगिंग
- डिस्क को खोलने के लिए माउस प्वाइंटर को डिस्क आइकन पर रखा जाता है और फिर - माउस को डबल क्लिक किया जाता है
- कम्प्यूटर डेस्कटॉप का अर्थ क्या है - विजिबल स्क्रीन
- मीनू में की सूची होती है - कमांड्स
- अपनी रिपोर्ट का पहला पैराग्राफ इंडेन्ट करने के लिए आपको इसकी का उपयोग करना चाहिए - टेब का
- सॉफ्टवेयर के में कमांडों और ऑप्शन की सूचियाँ होती है - टूल बार
- कंट्रोल, शिफ्ट और आल्ट को कुंजियाँ कहते हैं - मॉडिफायर
- कमांडों का एक अतिरिक्त सेट है जिसे मेन मीनू से आप द्वारा एक सिलेक्शन किए जाने के बाद कम्प्यूटर डिस्प्ले करता है - सबमीनू
- इस पावरफुल कुंजी का दबाया जाए तो प्रोग्राम से एक्जिट कर सकते हैं - एस्केप कुंजी
- डॉक्यूमेंट को सेव करने के लिए कौन-सी शॉर्टकट का प्रयोग किया जाता है -Ctrl+S
- यदि आप कोई मीनू खोलें और फिर तय करें कि आप कोई ऑप्शन सिलेक्ट नहीं करना चाहते हैं तो मीनू टाइल को फिर से क्लिक करें या मीनू को बंद करने के लिए दबाएँ - Esc
-में ऐसे बटन और मीनू होते हैं जो सामान्यतः प्रयुक्त कमांडों में शीघ्र एक्सेस होते हैं - टूलबार
- व्यू यह दिखाता है कि मार्जिन, हेडर, फुटर के साथ छपे हुए पेज पर कन्डेट कैसे दिखेगा - पेज लेआउट
- फाइल जिसमें आपके डॉक्यूमेंट और आप द्वारा कस्टमाइज्ड टूलबार और मीनू जैसी सभी चीजों के लिए पैराग्राफ कैरेक्टर स्टाइल्स की परिभाषाएँ होती हैं सेविंग यह की प्रक्रिया है- मेमोरी से स्टोरेज माध्यम तक दस्तावेज कॉपी करना
- विनिर्माण के समय रिकॉर्ड किया गया डिस्क का कंटेंट जिसे यूजर चेज या इरेज नहीं कर सकता है होता है - केवल रीड
- हेल्प मीनू किस बटन पर अवेलेबल होता है - स्टार्ट
- आप अपनी पर्सनल फाइल में देख सकते हैं - माइ डॉक्यूमेंट्स में
- डाटा को ट्रांसफर करने की माप क्या है - बिट्स पर सेकंड
- किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए कौन-सी दूसरी कुंजी के साथ कॉम्बिनेशन में प्रयुक्त की जाती है - कंट्रोल
- Text को Bold करने के लिए कौन सी प्रयोग होती है -Ctrl+B
- डॉक्यूमेंट क्रिएट करने के लिए आप फाइल मीनू पर कमांड का प्रयोग करते हैं - न्यू
- किस कमांड की सहायता से हम किसी दस्तावेज को बचा सकते हैं -
- शॉर्टकट कीज के उपयोग से पैराग्राफ को सेंटर करने के लिए प्रेस कीजिए -
- कोई डॉक्यूमेंट प्रिंट करने के लिए प्रेस कीजिए फिर प्रेस कीजिए -
- ड्राइवर सॉफ्टवेयर की जरूरत नहीं होती है - विंडो 95 में
- की-बोर्ड में की का क्या प्रयोग है -
- की-बोर्ड में का क्या प्रयोग होता है -कमाण्ड को खत्म करने का
- फॉन्ट और स्टाइल चेंज करने के लिए किस मीनू का प्रयोग किया जाता है - फॉन्ट
- कट, कॉपी और पेस्ट करने के लिए कौन सा मीनू सिलेक्ट किया जाता है - एडिट
- कुंजी स्टार्ट करने की शुरु करती है - विंडोज
- सॉफ्टवेयर के कमांड्स और ऑप्शन्स की सूचियाँ होती है - मीनू बार
- एप्लिकेशन को छोड़े बिना प्रोग्राम से एक्जिट करना क्या कहलाता है - कार्ट अवे
- पर टाइपिंग करते समय दो शब्दों के बीच जगह छोड़ने के लिए नामक की दबानी पड़ती है - कंट्रोल
- किसी डॉक्यूमेंट में से एक गलत कैरेक्टर डिलीट करते हुए इनसरशन पॉइंट से दाएँ इरेज करने के लिए - डिलीट की प्रेस कीजिए
- उस कमांड को कहते हैं जो किए जा रहे काम को हार्ड ड्राइव या डिस्क में सेव करती है - सेव
- शॉर्टकट और शून्य विशेष कार्यों के लिए की और की अन्य की कीज के साथ प्रेस की जाती है - कंट्रोल और आल्ट
- सेव करना किसका प्रोसेस है - मैमोरी से स्टोरेज माध्यम में डॉक्यूमेंट को कॉपी करना
- यह कमांड कम्प्यूटर में टाइप किए गए मीटर को लेती न पर देखा जा सकता है और कागज पर आउटपुट के लिए उसे प्रिंटर को भेजती है - प्रिंट
- बटन का उपयोग कर आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड स्टार्ट कर सकते हैं - स्टार्ट
- में बटन और मीनू होते हैं जिनसे सामान्यतः प्रयुक्त कमांडों का एक्सेज तेजी से होता है - टूल बार
- किस कमांड के प्रयोग से प्रोग्राम से किसी भाग को हटाया जा सकता है-

- मीनू पर प्रत्येक एक विशेष कार्य करता है
- कमांड
- हेल्प मीनू किस बटन पर उपलब्ध होता है
- स्टार्ट
- नये नाम सहित या नये लोकेशन पर किसी विद्यमान फाइल को सेव करने के लिए आपको कमांड का प्रयोग करना चाहिए
- सेव एज
- कुंजी और कुंजी का दूसरी कुंजियों के साथ मिलकर शॉर्टकट या विशेष कार्य के लिए प्रयोग किया जा सकता है
- कंट्रोल और ऑल्ट
- विशिष्ट कार्य करने हेतु कौन सी कुंजी के साथ में प्रयुक्त रूप से कुंजी का प्रयोग किया जाता है
- कंट्रोल
- किसी बड़े डॉक्यूमेंट के आरंभ में या अंत तक आपको कौन सा की-स्टोक ले जाएगा
- कंट्रोल + पेजअप और कंट्रोल + पेजडाउन
- प्रिंट के लिए कौन सा मीनू सिलेक्ट किया जाता है
- फाइल
- यदि आपको कोई फाइल की-बोर्ड द्वारा खोलनी हो तो आप क्या करेंगे
- Ctrl+O
- Ctrl+V कुंजी को प्रेस करने पर क्या होता है
- सिलेक्ट की गई आइटम क्लिपबोर्ड से पेस्ट हो जाती है
- हर्डउपलिंग को की-बोर्ड द्वारा करने के लिए कौन सी शॉर्टकट की उपलब्ध है
- Ctrl+K
- में ऐसी कमांड होती है जिन्हे सिलेक्ट किया जा सकता है
- आइकन
- कोई विनिर्दिष्ट काम करने के लिए किसी दूसरी कुंजी के कॉम्बिनेशन में कुंजी का प्रयोग किया जाता है
- कंट्रोल
- प्रोग्राम में ऑप्शन को स्क्रीन सूची को क्या कहते हैं जो बताती है कि उस प्रोग्राम में क्या है
- मीनू
- यह मैमोरी से उस फाइल को निकालने की कमांड है जिसे पहले उसे स्टोर किया गया था
- ओपन
- प्रोग्राम या इलेक्ट्रॉनिक इन्टरफ़ेस के सेट को क्या कहते हैं जो कम्प्यूटर को बताता है कि क्या करना है
- सॉफ्टवेयर
- विंडो मैक्सिमाइज करने का क्या अर्थ है
- इतना एक्सपैंड करना कि डेस्कटॉप में फिट हो जाए
- ऑपरेटिंग प्रणाली यह निर्धारित करती है कि को छोड़कर क्या घटित हो जाए
- दस्तावेज का प्रयोक्त सृजन
- विंडोज 95 विंडोज 98 और विंडोज एनटी के नाम से जाने जाते हैं
- ऑपरेटिंग सिस्टम
- एक प्रोग्राम है जो कम्प्यूटर के प्रयोग को आसान बना देता है
- यूटिलिटी
- विंडो - 2000 को किस कंपनी बनाया
- माइक्रोसॉफ्ट
- ऐसी कम्प्यूटर प्रणाली जिसमें दो या दो से अधिक सीपीयू हो, उसे कहते हैं
- मल्टीप्रोसेसर
- प्रोसेसिंग का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े मेल-ऑर्डर वाली कंपनी ऑर्डर एकत्र किया करती है और एक बड़े से प्रोग्राम में उन्हें प्रोसेस करती है
- बैच
- यूनिक्स ऑपरेटिंग सिस्टम किस भाषा में लिखा गया है
- सी
- यूजर और ऑपरेटिंग सिस्टम किस भाषा में लिखा गया है
- सी
- यूजर और ऑपरेटिंग सिस्टम के बीच में इंटरफ़ेस के तरीके को कौन कंट्रोल करता है
- यूजर इंटरफ़ेस
- एक समय के एक से अधिक एप्लिकेशन रन करने के लिए की क्षमता को कहते है
- मल्टीटास्किंग
- मल्टीपल प्रोसेस द्वारा दो या अधिक प्रोग्रामों का साथ-साथ प्रोसेसिंग है
- मल्टीप्रोसेसिंग
- टेलीप्रोसेसिंग तथा टाइमशेरींग का प्रयोग किसी पीढ़ी के कम्प्यूटर में हुआ
- तृतीय
- ऐसे प्रोसेस और मैनेजमेंट सर्विसेज प्रोवाइड करता है जो दो या अधिक टास्क जॉब या प्रोग्राम को साथ-साथ चलने देता है
- मल्टीटास्किंग
- कम्प्यूटर प्रोग्राम का एक सेट है जो कम्प्यूटर को स्वयं को मॉनीटर करने और अधिक दक्षता से कार्य करने में सहायता करता है
- सिस्टम सॉफ्टवेयर
- उस तकनीक का क्या नाम है जो काम खत्म होने से पहले ही दूसरा काम शुरू कर देती है
- पाइप लाइन
- एक समय में एक साथ एक से ज्यादा संपन्न करने वाली कम्प्यूटर तकनीक को कहते हैं
- मल्टीटास्किंग
- ऑपरेटिंग सिस्टम का वह कौन सा भाग है जो सीपीयू में होने वाले कार्यों को निर्देशित करता है
- कर्नल
- विंडोज को क्या कहते है
- विंडोज एक्सप्लोरर
- कम्प्यूटर प्रोग्राम्स को भी कहते हैं
- ऐप्लिकेशन
- सॉलिड सिक्योरिटी और बल्टेड पुफ प्राइमरी के रूप में कौन सा ऑपरेटिंग सिस्टम काम कर रहा है
- मैक
- एप्ल का कौन सा ऑपरेटिंग सिस्टम है
- मैक
- कम्प्यूटर बताया है कि इसके कम्पोनेंट्स का प्रयोग कैसे किया जाए
- यूटिलिटी
- यूनिक्स का पूरा नाम
- यूनिक्स इन्फोर्मेशन कम्प्यूटर सिस्टम
- जब बहुत से कार्य कम्प्यूटर में एक साथ प्रतीत होते हैं उसे कहते हैं
- टाइप प्रोसेसिंग
- सी भाषा में कौन सा संस्कारण सर्वाधिक लोकप्रिया है
- 7
- यूनिक्स का विकास कब हुआ
- 1969
- यूनिक्स का निर्माता है
- केन थॉमसन
- प्रोग्रामों का एक समुच्चय जो कम्प्यूटर्स को कार्य प्रणाली की नियंत्रित करता है - ऑपरेटिंग सिस्टम
- लिनक्स क्या है
- एक ऑपरेटिंग सिस्टम
- विंडोज में वॉलपेपर कहाँ से बदलते हैं
- कंट्रोल पैनल पर डिस्प्ले से
- विंडोज में कंट्रोल पैनल कहाँ होता है
- सैटिंग के अंदर
- डॉस का पूरा नाम क्या है- डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम
- किस ऑपरेटिंग सिस्टम में उपयोक्ता एक साथ कई कम्प्यूटर कर सकते हैं
- टाइम शेयरिंग
- किसी भी विंडो मैक्सिमाइज बटन मिनिमाइज बटन और क्लीन बटन पर दिखते हैं
- टाइलबार
- विंडो 95 में प्रोसेसिंग के लिए राइट की जगह लिय जाता है
- वर्ड
- वर्ड प्रोग्राम के घटकों में से शामिल होते हैं टाइल बार, रिबन, स्टेटस बार, व्यूज और डॉक्यूमेंट
- विंडो
- उस पोर्शन को कहते है जो विंडो में काम करते समय किए जाने वाले सभी चुनाव दिखा देते हैं - मीनू बार
- किसी विंडो को आइकन में कर देना क्या होता है
- विंडो को मिनिमाइज करना
- यूनिक्स नामक ऑपरेटिंग प्रणाली विशेष रूप से हेतु प्रयोग में लायी जाती है
- वेब वर्कस
- विंडो एक्सपी में आइटम को रिअरेन्ज करना क्या कहलाता है
- डिस्क डिफ़्रैगमेंट
- डॉक्स का एक अनुदेश कौन सा है जो किसी व्यक्त भी कम्प्यूटर की मैमोरी से संबंधित जानकारी दे सकते
- मेम
- एप्ल कम्प्यूटर में प्रयुक्त होने वाला ऑपरेटिंग सिस्टम है
- मैकओएस 8.06
- बीटा वर्जन है
- विंडो विस्टा का
- विंडो है और विंडो 95 विंडो 98 है
- ग्राफिकल यूजर इंटरफ़ेस, ऑपरेटिंग सिस्टम
- एक ही प्रोसेसर को प्रयोग करते हुए एक ही कम्प्यूटर सिस्टम में साथ साथ दो या दो या अधिक प्रोग्रामों को एक्जीक्यूट करने की ऑपरेटिंग सिस्टम की क्षमता होती है
- मल्टीटास्किंग
- एक साथ कई व्यक्ति जिस कम्प्यूटर सिस्टम पर कार्य करता है
- मल्टी यूजर सिस्टम
- टाइम शेयरिंग सर्वाधिक उपयुक्त है
- आसान व छोटे कार्यों के लिए
- यूनिक्स क्या है
- मल्टी यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम
- स्टार नेटवर्क जिसकी तीन शाखाएँ होती हैं
- Y Network
- आपको किसी ई-मेज प्राप्त होता है जिसे आप नहीं जानते है आपको क्या करना चाहिए
- बिना खोले इसे मिटा देना चाहिए
- एक से अधिक कम्प्यूटर जो आपस में जुड़े होते हैं उन्हें कहते हैं
- कम्प्यूटर नेटवर्क
- ई-मेल एटैचमेंट क्या होता है
- दूसरे प्रोग्राम से, ई-मेल संदेश के साथ भेजा गया एक अलग दस्तावेज
- आईपी एड्रेस की संख्या को किस चिह्न से विभाजित करते हैं
- दशमलव से
- आईपी एड्रेस कितने अंको से मिलकर बनता है
- चार
- और किसने बनाया
- कॉर्पोरेशन पालो एल्टो रिसर्च सेंटर द्वारा
- यूजर और पासवर्ड के संबंध में कौन सा सत्य नहीं है
- आपको अपने यूजर आईडी और पासवर्ड को कम से कम एक व्यक्ति के साथ शेयर करना चाहिए
- इंटरनेट एक्सप्लोरर पर उपलब्ध सभी पृष्ठों को कहते हैं
- वेब पृष्ठ
- ई-मेल को मेल बॉक्स द्वारा करन के लिए कौन उपयोगी है
- POP 3
- BUS के भाग है
- बस, सीरियल बस, लेन बस
- कोई वेबसाइट एक्सेस करने पर सबसे पहले जो पेज या मने पेज दिखाई देता है उसे क्या कहते हैं
- होम पेज
- नेटवर्क पर दस्तावेज की अदला बदली के लिए जरूरी नहीं है
- फ्लॉपी
- कम्प्यूटर को इंटरनेट से जोड़ने में मदद करता है
- ब्राउजर
- Org का संबंध किस क्षेत्र से है
- संगठन
- जंक ई-मेल को कहते है
- स्पैम
- आपके कम्प्यूटर के हार्ड डिस्क में वायरस के आने पर सर्वाधिक सामान्य तरीका क्या है
- ई-मेल्स खोलकर
- पोटल शब्द किससे जुड़ा है
- इंटरनेट
- कम्प्यूटर वायरस से बचने के लिए सुरक्षा नियमों में से कौन सा उपाय नहीं है- किसी बाहरी फ्लॉपी डिस्क का प्रयोग बिना स्कैल किये नहीं करना चाहिए
- कम्प्यूटर शब्दवाली में वायरस के आंतक को क्या नाम दिया गया है
- इलेक्ट्रॉनिक टेररिज्म
- WWW से शुरू होने वाला पता किससे संबंध रखता है
- वेबसाइट से
- वेबसाइट का एड्रेस कहलाता है
- URL
- एक कम्प्यूटर का डाटा दूर स्थित किसी अन्य कम्प्यूटर पर इंटरनेट से भेजने के लिए किसकी प्रयोग किया जाता है
- मॉडेम
- ई-मेल भेजना के समान है -पत्र लिखने से
- ई-मेल का जन्मदाता कौन है
- रे टामलिंसन
- WWW के आविष्कारक है
- टिमबर्नर्स ली
- याहू, गुगल एवं MSN है
- इंटरनेट साइट्स
- इंटरनेट क्या है
- कम्प्यूटर पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय सूचनाओं का यंत्र से जुड़ा हुआ कम्प्यूटर है
- इनफॉर्मेशन या पैरफेरल उपकरण की शेयर करता है फायरवाल का काम है
- सिस्टम को हैकरों से बचना
- SD RAM का पूरा नाम क्या है-Synchronous Dynamic Random Access Memory
- DDR RAM का पूरा नाम क्या है
- Double Data Rate Random Access Memory
- KBPS का पूरा नाम क्या है
- Kilobite Per Second
- DNS का पूरा नाम क्या है
- Domain Name Server
- WWW का पूरा नाम क्या है
- World Wide Web



Internet की सेवाएं

ब्राउसर : ऐसे सॉफ्टवेयर जो वेब साइट को ढूँढने में काम आते हैं ब्राउसर कहलाते हैं। प्रमुख ब्राउसर हैं - माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सप्लोरर, नेटस्केप नेवीगेटर आदि।

World Wide Web (www) : आज जब व्यक्ति इंटरनेट सर्चिंग की बात करता है तो इसका अर्थ यह होता है कि वह ग्लोब (वर्ल्ड) भर में स्थित मल्टीमीडिया हाइपर लिंक डेटा बेस से भरी हुई साइट्स को चैक करेगा तो इन साइट्स के सम्पूर्ण जाल को जहाँ कि आज कल प्रति मिनट एक नई वेबसाइट अवर कर आ जाती है। www कहा जाता है।

Internet Explorer : यह एक ग्राफिक, वेब ब्राउसर है। यह एक सॉफ्टवेयर है जो इमें इंटरनेट प्रयोग करने का प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाता है वह हमें इंटरनेट से सम्पर्क स्थापित करने में मदद करता है।

Home Page : वेबसाइट का मुख्य पृष्ठ जो कि वेबसाइट Open करते वक्त सर्वप्रथम खुलता है तथा इस पर सूचना की हैडिंग लिखी होती है। तथा उसे अन्य पेज हाइपरलिंक के माध्यम से जुड़े रहते हैं, होमपेज कहलाता है।

HTML : हाइपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज इसकी मदद से वेब पेजों को डिजाइन किया जाता है। आजकल JAVA भाषा का प्रयोग भी वेबसाइट डेवलपमेंट के लिए होता है।

E-mail (Electronic Mail) : इमेल कम्प्यूटर के द्वारा भेजी जा सकने वाली इलैक्ट्रॉनिक डाक सेवा का संक्षिप्त रूप है। सर्वप्रथम ई-मेल सेवा www.hotmail.com ने शुरू की। इसे एक भारतीय सबीर भाटिया ने विकसित किया था जिसे बाद में माइक्रोसॉफ्ट ने खरीद लिया।

E-mail Address : प्रत्येक इंटरनेट साइट जो कि ई-मेल सुविधा प्रदान करती है, प्रत्येक यूजर को एक एड्रेस देती है। जिसमें यूजर का नाम तथा साइट का नाम होता है। ईमेल एड्रेस कहलाता है। जैसे dubeydharma@hotmail.com यहाँ dubeydharma यूजर नेम है तथा hotmail साइट का नाम इन दोनों को अलग-अलग करने के लिए @ (एट द रेट) चिह्न का उपयोग होता है।

Mail Box : प्रत्येक साइट जो ई-मेल एड्रेस देती है वह अपनी वेबसाइट में कुछ kb या mb का स्पेस इस यूजर के लिए रिजर्व करती है। इसे मेल बॉक्स कहते हैं। तथा यहाँ से वह किसी अन्य को डाक Compose करके भेजता है।

वेबसाइट जो हमें फ्री ई-मेल सेवा प्रदान करती है

1. www.gmail.com
2. www.hotmail.com
3. www.yahoo.com
4. www.rediffmail.com
5. www.webdunia.com (हिंदी में उपलब्ध)

इंटरनेट हजारों लाखों स्वतंत्र नेटवर्कों का ऐसा संयुक्त नेटवर्क है, जिसमें प्रत्येक नेटवर्क एक ऐसे माध्यम से जुड़ा है, जिसकी सहायता से यह अन्य नेटवर्क से सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है।

प्रोटोकॉल

इंटरनेट पर सूचनाओं एवं आंकड़ों के आदान-प्रदान का एक सिस्टम है जिसे प्रोटोकॉल कहा जाता है। वर्तमान में (TCP = Transmission Control Protocol) एवं (IP = Internet Protocol) प्रचलित प्रोटोकॉल है।

डोमेन ने इंटरनेट से जुड़े प्रत्येक कम्प्यूटर का एक डोमेन नेम होता है जैसे www.yahoo.com यह वास्तव में कम्प्यूटर का एड्रेस होता है। जिसके माध्यम से उस कम्प्यूटर से जुड़ा जा सकता है। इसे DNS यानि (Domain Name System) कहते हैं। यह दो भागों में विभक्त होता है। इन दोनों भागों को अलग-अलग करने के लिए बिन्दु (.) प्रयोग किया जाता है।

IP Address मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं।

जिन्हें Class A, Class B, Class C, Class D और Class E में बाँटा जाता है।

IP Address संख्याओं में होता है।

जिस ISP (Internet Service Provider) सर्वर इसे IP Address में परिवर्तित कर देता है।

IP Address में 0 से 255 तक की कई भी संख्या हो सकती है। जैसे - 196.6.201.10

भारत में प्रमुख ISP (Internet Service Providers)

VSNL विदेश संचार निगम लिमिटेड (Videsh Sanchar Nigam Limited)

BSNL भारत संचार निगम लिमिटेड (Bharat Sanchar Nigam Limited)

Satyam Online Data Infosys

DNS

DNS एक प्रकार के बड़े कम्प्यूटर्स को कहा जा सकता है। जिनका कार्य इंटरनेट के IP Address की जानकारी रखना है। इसे मुख्यतया 8 भागों में बाँटा जाता है।

1. .com व्यावसायिक संगठनों के लिए रिजर्व है।
2. .edu शैक्षणिक संस्थानों के लिए
3. .mil अमेरिकी सैन्य संस्थाओं के लिए
4. .gov गवर्नमेंट के लिए
5. .org ऑरगनाइजेशन के लिए
6. .net नेटवर्क संस्थाओं के लिए
7. .int अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए
8. .in, .uk ये प्रत्येक देश के लिए अलग-अलग होता है। .in इण्डिया, .uk ब्रिटेन के लिए आदि।

भारत सरकार के उपक्रम

VSNL विदेश संचार निगम लिमिटेड ने 15 अगस्त 1995 में व्यावसायिक रूप में प्रथम इंटरनेट सेवा प्रदान की।

नई दिल्ली स्थित नेशनल इंफोरमेशन सेन्टर (NIC) भारत में इंटरनेट कनेक्शन प्रयोग करने वाला प्रथम संस्थान था।

सामान्यतः इंटरनेट प्रयोक्ता केवल वर्ल्ड-वाइड-वेब को ही इंटरनेट का एक मात्र संसाधन समझता है।

इंटरनेट सर्फिंग : आज इंटरनेट के महत्त्व के कारण बहुत अधिक संख्या में इंटरनेट वेबसाइटों का निर्माण हो चुका है।

सर्च इंजन : असंख्य पृष्ठों वाली सामग्री में से आपकी मनचाही सामग्री या विषय वस्तु वाला पृष्ठ ढूँढकर सामने ले आने जैसे कार्य को पलभर में कर देने कार्य इंटरनेट के सर्च इंजन द्वारा किया जाता है।

स्याडर : स्याडर ऐसे प्रोग्राम हैं जिन्हें डेटाबेस में सूचीबद्ध वेब पेज की देखरेख के लिए निर्मित किया गया है।

URL (Uniform Resource Locator) को ही स्टोर किया जाता है। बल्कि उनकी आवृत्ति आदि की भी स्टोर कर लिया जाता है और इसी के आधार पर इंजन इन शब्दों को महत्व प्रदान करके परिणाम सूची में उन्हें वरियता से स्थान प्रदान करता है।

फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल : फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल का उपयोग एक कम्प्यूटर नेटवर्क से किसी दूसरी कम्प्यूटर नेटवर्क में फाइलों को ट्रांसफर (भेजने) करने के लिए किया जाता है।

गोफर : गोफर का आविष्कार अमेरिका के मिनिसोटा नाम विश्वविद्यालय में हुआ था। यह एक यूजर फ्रेंडली इंटरफेस है जिसके माध्यम से गूजर इंटरनेट पर प्रोग्राम तथा सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकता है।

टेलनेट : डाटा के हस्तान्तरण के लिए टेलनेट का प्रयोग किया जाता है। इस प्रोटोकॉल के द्वारा यूजर को रिमोट कम्प्यूटर से जोड़ा जाता है।

यूजनेट : विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को एकत्र करने के लिए इंटरनेट के नेटवर्क यूजनेट का प्रयोग किया जाता है। इस नेटवर्क के माध्यम से कोई भी यूजर विभिन्न समूहों से अपने लिए आवश्यक सूचनाएं एकत्र कर सकता है।

वैरोनिका : वैरोनिका प्रोटोकॉल गोफर के माध्यम से कार्य करता है। यूजर गोफर तथा वैरोनिका का एक साथ प्रयोग करके किसी भी डाटा बेस तक आसानी से पहुँचा जा सकता है।

आर्ची : फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल (F.T.P.) में स्टोर फाइल को खोजने के लिए आर्ची का प्रयोग किया जाता है।